भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं.

समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

- अनुसंधानिक उपलब्धियाँ
- मानव संसाधन विकास
- पुरस्कार एवं सम्मान
- गतिविधियों के परिदृश्य
- प्रकाशन
- प्रस्तुत व्याख्यान
- सहभागिता
- परामर्शी/सलाहकारी सेवाएँ
- कार्मिक

निदेशक की कलम से .....

समाचार पत्र के इस अंक में प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान प्राप्त प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियों, आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं तथा संस्थान की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है।

सिंचाई का किसी भी जिले के कृषि विकास और वृद्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। एक परियोजना ''राजस्थान में कृषि उत्पादन की वृद्धि और अपघटन'' के अंतर्गत यह पाया गया कि कुल बुवाईगत क्षेत्रफल के अनुपात की तुलना में सिंचाईगत क्षेत्रफल बहुत कम है, जो राज्य में कृषि विकास में एक मुख्य बाधा है। अतः, सिंचाई की सुविधाओं को बढ़ाने व उन्हें गति प्रदान करने हेतु प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। फसलों की उत्पादकता, वन के अंतर्गत क्षेत्रफल का विस्तार करने तथा पशुपालन को बढ़ाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए।

परियोजना ''बेहतर चना किस्म विकास के लिए शाकनाशी प्रतिरोधी जीन्स की खोज'' के अंतर्गत चने में शाकनाशी सहिष्णुता के कंडिडेट जीन्स और पाथवे को भाकृअनुप के वैज्ञानिकों ने विश्व में पहली बार रिपोर्ट किया और प्रख्यात जर्नल (http://journal.frontiersim.org/artide/10.3389/fpls.2017.009581 full) में प्रकाशन किया गया। इमिडाजोलाइन (इमाजेथापिर) से दो चना किस्मों, यानी शाकनाशी संवेदनशील (आईसीसी 5434) एवं सहिष्णु (आईसीसी 1205) जीनप्ररूपों को एक्सपोज किया गया। यह पाया गया कि रिपोर्ट किए गए भिन्नात्मक जीन्स (ईडीजी) का प्रयोग शाकनाशी सहिष्णुता से संबद्ध कैंडिडेट जीन्स की भावी खोज के लिए जीनोमिक संसाधनों के रूप में तथा रिपोर्ट किए गए मार्कर्स का प्रयोग परिष्करण हेतु मार्कर समर्थित चयन (एमएएस) विकसित करने में भावी साहचर्य अध्ययनों के लिए किया जा सकता है। इससे बेहतर पारिस्थितिकी और खाद्य सुरक्षा के साथ चना जननद्रव्य की उत्पादकता में सुधार लाया जा सकता है।

संस्थान का वार्षिक दिवस दिनांक 03 जुलाई, 2017 को मनाया गया जिसमें डॉ. एन एस राठोड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भाकृअनुप ने भारत में कृषि शिक्षा पर नेहरू स्मृति व्याख्यान दिया। दिनांक 05 सितंबर, 2017 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया जिसमें डॉ. आर. के. पाण्डेय, पूर्व निदेशक, भाकृसांअसं को सम्मानित किया गया। हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 01 से 14 सितंबर, 2017) और स्वच्छ भारत अभियान का भी आयोजन किया गया। संस्थान के अनेक वैज्ञानिकों ने विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किए जिनमें भाकृअनुप लाल बहादुर शास्त्री उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, एम. के. बोस पुरस्कार, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, एसईआरएस संगणनात्मक जीवविज्ञान वैज्ञानिक पुरस्कार, वर्ष 2014-16 के लिए नेहरू स्मृति स्वर्ण पदक शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने अदीस अबाबा, इथियोपिया, काली, कोलम्बिया और रोम, इटली का दौरा किया।

सात प्रशिक्षण कार्यक्रम और एक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान 06 नई परियोजनाएँ आरंभ की गईं और संस्थान के वैज्ञानिकों ने 32 शोध पत्रों, 11 लोकप्रिय लेख, 01 कृषि अनुसंधान डाटा पुस्तक, 03 अनुसंधान परियोजना रिपोर्ट, 07 मैनुअल/ई-मैनुअल/पैम्फलेट, 01 ब्रोशर का प्रकाशन किया और 03 पैकेज विकसित किए।

आशा है कि इस अंक की विषय-वस्तु राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरईएस) के वैज्ञानिकों के लिए सूचनाप्रद एवं उपयोगी होगी। समाचार-पत्र की विषय-वस्तु में सुधार लाने हेतु आपके सुझावों का स्वागत है।

(ए. के. चौबे)

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

अनुसंधान उपलब्धियां

राजस्थान में कृषि उत्पादन की संवृद्धि और अपघटन

रविन्द्र सिंह शेखावत एवं बिशाल गुरूंग

विकास और परिवर्तन के बीच द्विमार्गीय संबंध है; अर्थात् विकास परिवर्तन को प्रभावित करता है और उससे प्रभावित भी होता है। परिवर्तन का अभिप्राय भौतिक, प्रौद्योगिकीय, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, अभिवृत्तिक, संगठनात्मक और राजनीतिक परिवर्तन से है। कोई भी परिवर्तन या तो अच्छा (विकासोन्मुखी) होता है या बुरा (पीछे ले जाना)। सामान्य रूप से, विकास को प्रति व्यक्ति वास्तविक आय के स्तर के आधार पर चिन्हित किया जाता है। अतः अविकसित देश उसे कहते हैं ''जिसमें प्रति व्यक्ति वास्तविक आय यूएसए, कनाडा, आस्ट्रेलिया और पश्चिमी यूरोप की प्रति व्यक्ति वास्तविक आय (यूएनओ, 1952) की तुलना में कम होती है। भारत के योजना आयोग ने अविकसित देश की व्याख्या इस प्रकार की ''कोई देश जहाँ एक ओर अनुप्रयुक्त या अल्प.उपयोगी मानवशक्ति और दूसरी ओर अप्रत्याशित प्राकृतिक संसाधनों के सह.अस्तित्व की डिग्री कम या अधिक होती है'' (योजना आयोग, भारत सरकार, 1952)। वर्ष 2012.13 में राजस्थान सबसे बड़ा बाजरा उत्पादक राज्य था (38.39 लाख टन) और राज्य में बाजरे की खेती के तहत अधिकतम क्षेत्रफल (39.56 लाख हेक्टेयर) था। राजस्थान तोरिया एवं सरसों, चना और गेहूँ का भी बेहतर उत्पादक राज्य है जिनका उत्पादन क्रमशः 37.59, 12.77 और 107.67 लाख टन है। लेकिन, राजस्थान की औसत खाद्य अनाज उपज 9.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जो कि राष्ट्रीय औसत, यानी 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से लगभग आधी है (राजस्थान सांख्यिकीय सार, 2012)। कृषि विकास मुख्य फसलों की उपज और पशुधन क्षेत्र के विकास से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित है। राजस्थान, भारत के बड़े राज्यों में से एक है जहाँ विभिन्न कृषि पारिस्थितिकियां तथा विविध प्रकृति की मृदा एवं वानस्पातिक विशेषताएं हैं। अतः, राज्य में अंतर.जिला अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है। राजस्थान में मुख्य फसलों (बाजरा, चना, तोरिया एवं सरसों) के क्षेत्रफल में विकास दर, उत्पादन एवं उत्पादकता और मुख्य निविष्टियों (सकल सिंचित क्षेत्रफल, उर्वरक उपयोग, बैंक ऋण, उच्च उपज वाली किस्मों के तहत क्षेत्रफल तथा फसल के तहत कुल क्षेत्रफल) का आकलन करने हेतु वार्षिक विकास दर का आकलन किया गया तथा परिकलित विकास दर की महत्ता ज्ञात करने के लिए ''टी.टेस्ट'' का प्रयोग किया गया। मिनहास एवं वैद्यानाथन द्वारा विकसित एक सात गुणांक अपघटन मॉडल का प्रयोग करते हुए राजस्थान के जिलों की समेकित कृषि उत्पादन विकास दर में विभिन्न घटकों के योगदान का आकलन किया गया। राजस्थान राज्य में समग्र रूप से तथा जिलों के आधार पर मुख्य फसलों की उपज में काफी वृद्धि पाई गई। जैसलमेर जिले में विभिन्न फसलों के तहत क्षेत्रफल में काफी वृद्धि देखी गई जिसके कारण उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। इसका मुख्य संभावित कारण इंदिरा गांधी नहर परियोजना (आईजीएनपी) का विस्तार था जिससे बंजर भूमि को खेती के तहत लाया गया। राजस्थान चने का प्रमुख उत्पादक है, लेकिन राज्य में चने के तहत क्षेत्रफल समग्र रूप से काफी घटा है, हालांकि रेगिस्तान वाले जिलों (बीकानेर, चुरू, जैसलमेर, नागौर) में क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है। समग्र रूप से, राजस्थान के लगभग सभी जिलों में चना फसल के तहत क्षेत्रफल में गिरावट आई है। यह एक बहुत ही चिंता का विषय है, क्योंकि चना एक महत्वपूर्ण दलहन फसल है जिसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है और यह शुष्क कृषि.जलवायु स्थिति के लिए उपयुक्त है। राजस्थान राज्य में कुल फसल क्षेत्रफल को छोड़कर, सभी प्रमुख कृषि निविष्टियों में समग्र रूप से सकारात्मक एवं उच्च विकास दर देखी गई है। रेगिस्तान वाले जिलों, यानी जैसलमेर, बारमर, बीकानेर, जोधपुर एवं चुरू में सिंचित क्षेत्रफल में तथा प्रमुख कृषि निविष्टियों में काफी वृद्धि देखी गई, जो कि राजस्थान राज्य की बड़ी उपलब्धि थी। कुल मिलाकर, लगभग सभी जिलों में प्रमुख कृषि विनिष्टियों में बढ़ती प्रवृत्ति देखी गई, जो राजस्थान के कृषि विकास का एक अच्छा संकेत है। आईजीएनपी से सिंचाई जल की उपलब्धता के कारण विभिन्न फसलों की उत्पादकता के आधार पर, राजस्थान के रेगिस्तान वाले जिलों का निष्पादन बहुत अच्छा पाया गया। अपघटन विश्लेषण में यह पाया गया कि राजस्थान राज्य में बाजरा को छोड़कर, समग्र रूप से सभी तीन प्रभावों, अर्थात् क्षेत्रफल, उपज और अंतःक्रिया का समस्त चयनित फसलों के उत्पादन में सकारात्मक रूप से प्रभाव पड़ा, जिससे यह संकेत मिला कि राजस्थान राज्य में क्षेत्रफल और उपज फसलों के उत्पादन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह पाया गया कि जिलों या राज्य में समग्र रूप से उत्पादन विकास में परिवर्तन के पीछे उपज में वृद्धि और फसल प्रणाली में बदलाव मुख्य कारण था, जबकि क्षेत्रफल में विस्तार की कोई मुख्य भूमिका नहीं थी।

सिंचाई का किसी भी जिले के कृषि विकास और वृद्धि के स्तर पर काफी प्रभाव होता है। चूंकि, राजस्थान एक शुष्क राज्य है, इसलिए राज्य में कुल बुवाईगत क्षेत्रफल के अनुपात में सिंचित क्षेत्रफल बहुत कम है, जो कि कृषि विकास में समग्र रूप से राज्य में तथा विशेष रूप से पश्चिमी जिलों में एक मुख्य समस्या है। अतः राजस्थान के रेगिस्तान वाले जिलों में सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा प्रयासों को गति प्रदान करने की आवश्यकता है। जैसलमेर जैसे रेगिस्तान वाले जिले में, उत्पादन में परिवर्तन का मुख्य कारण क्षेत्रफल में विस्तार था, लेकिन वहां उत्पादकता कम थी। इसलिए, फसलों की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सतत् रूप से प्रयास किए जाने चाहिए। दलहनों के क्षेत्रफल और उत्पादकता को बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि शाकाहारी लोगों के लिए दलहन प्रोटीन का एक महत्वपूर्ण स्रोत होता है। वन के अंतर्गत क्षेत्रफल बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि कृषि विकास पर वन का गहरा प्रभाव पड़ता है। राज्य के सभी जिलों में, विशेष रूप से, रेगिस्तान वाले जिलों में पशुपालन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

काबुली चने की बेहतर किस्म के विकास के लिए शाकनाशी प्रतिरोधी जीन्स की खोज

भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली; मीर आसिफ इकबाल, सारिका, दीपक सिंगला, राहुल एस. जसरोटिया, अनिल राय एवं दिनेश कुमार; भाकृअनुप.आईआईपीआर, कानपुर : खेला आर. सोरेन, प्रियंका गंगवार, पी. एस. शानमुगावाडिवेल, के. अरविन्द, सुशील के. चतुर्वेदी, नरेन्द्र पी. सिंह; आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद : राजीव के. वार्ष्णेय

चना एक महत्वपूर्ण दलहन फसल है क्योंकि विश्व दलहन उत्पादन में इसका योगदान = है। पशु प्रोटीन की तुलना में इसमें सस्ता आहारीय प्रोटीन होने के कारण यह पोषण की दृष्टि से सभी विकासशील देशों के लिए और भी महत्वपूर्ण फसल है। खरपतवारों से खेतों में चने की फसल की उपज कम होती है। पराजीनी शाकनाशी सहिष्णु फसल से सफल परिणाम प्राप्त हुए हैं, लेकिन पारिस्थितिकीय सुरक्षा और खाद्य श्रृंखला में बायोमैग्नीफिकेशन के मुद्दे से प्रायः गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अतः, एक वैकल्पिक पद्धति पर विचार किए जाने की आवश्यकता है। चूंकि भारत की चना किस्मों में शाकनाशी सहिष्णुता.सीमा में विशाल विविधता पहले से मौजूद है, इसलिए यदि शाकनाशी सहिष्णु जीन्स की

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

पहचान की जाती है, तो यह स्वास्थ्य के लिए भी काफी अच्छा होगा। भाकृअनुप.आईआईपीआर, कानपुर, भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली तथा आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद से भाकृअनुप के वैज्ञानिकों की एक बृहत टीम ने चने में कैंडिडेट जीन्स और शाकनाशी सहिष्णुता के पाथवे को पहली बार विश्व में सफलतापूर्वक रिपोर्ट किया है। इसका प्रकाशन फसल विज्ञान में वर्ल्ड फ्रंटियर्स के एक प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय जर्नल में मई, 2017 में किया गया (*http://journal.frontiersin.org/article/10.3389/fpls.2017.00958/full*)।

इस अनुसंधान में दो चना किस्मों, अर्थात् शाकनाशी संवदेनशील (आईसीसी 5434) और शाकनाशी सहिष्णु (आईसीसी 1205) जीनप्ररूपों को इमिडाजोलाइन (इमेजेथापिर) से एक्सपोज़ किया गया। चार प्रतिदर्शों से लगभग 90 मिलियन युग्मित.एंड रीड्स ट्रांसक्रिप्टोमिक डाटा सृजित किया गया। संदर्भ आधारित असेम्बली का प्रयोग करते हुए इन्हें प्रसंस्कृत कर 30,803 कॉन्टिग्ज में असेम्बल किया गया। इस अन्वेषण में 6,310 भिन्नात्मक व्यंजित जीन्स (डीईजी) को, जिनमें से 3037 को 980 माइक्रो आरएनए से रेग्युलेट किया गया, 897 डीईजी से संबद्ध 1,528 अनुलेखन कारकों को, 47 हब प्रोटीन्स, 3,540 प्यूटेटिव सिंपल सिक्वेंस रिपीट.फंक्शन्ल डोमेन मार्कर (एसएसआर.एफडीएम), 13,778 जेनिक सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमोर्फिज्म (एसएनपी) प्यूटेटिव मार्कर्स और 1,174 इन्डेल्स को रिपोर्ट किया गया है। फचबत का प्रयोग करते हुए यादृच्छिक रूप से चयनित 20 डीईजी का वैधीकरण किया गया। पाथवे विश्लेषण में यह सुझाव दिया गया कि जेनोबायोटिक अपघटन संबंधी जीन, ग्लुटाथियोन ै.ट्रांस्फर्स (जीएसटी) को केवल शाकनाशी की मौजूदगी में अपरेग्युलेट किया गया। डीएनए पुनरावर्तन जीन्स का डाउन.रेग्युलेशन और ऐब्सिसिक अम्ल पाथवे जीन्स का अप.रेग्युलेशन पाया गया। अध्ययन में क्राइटोक्रोम पी450, जाइलोग्लुकैन एंडोट्रासग्लुकोसाइलेस/हाइड्रोलेस, ग्लुटामेट डिहाइड्रोजिनेस, मिथाइल क्रोटोनोइल कार्बोक्सीलेस तथा शाकनाशी प्रतिरोध में थौउमाटिन.लाइक जीन्स को भी उजागर किया गया है। रिपोर्ट किए गए डीईजी का प्रयोग शाकनाशी सहिष्णु जीनप्ररूप से संबद्ध कंडिडेट जीन्स की भावी खोज के लिए जीनोमिक संसाधन के रूप में किया जा सकता है। रिपोर्ट किए गए मार्कर्स का प्रयोग परिष्करण के लिए मार्कर सहयित चयन (एमएएस) विकसित करने हेतु भावी साहचर्य अध्ययनों के लिए किया जा सकता है। चना किस्म विकास कार्यक्रम में सुधार लाने के प्रयासों में ये निष्कर्ष बेहतर पारिस्थितिकी और खाद्य सुरक्षा के साथ चना जननद्रव्य की उत्पादकता में सुधार लाने में काफी उपयोगी हो सकते हैं।

पुरस्कार एवं सम्मान

- डॉ. आर. के. पॉल ने दिनांक 16 जुलाई, 2017 को भाकृअनुप स्थापना दिवस समारोह में वर्ष 2016 के लिए सामाजिक विज्ञान में भाकृअनुप लाल बहादुर शास्त्री उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. प्रदीप बसाक ने दिनांक 03 जुलाई, 2017 को संस्थान के वार्षिक दिवस समारोह में वर्ष 2013.16 के दौरान भाकृअनुप.भाकृसांअसं में पीएच. डी. (कृषि सांख्यिकी) में सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए एम. के. बोस पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. एम. ए. इकबाल ने व्यावसायिक शिक्षा और उद्योग में उत्कृष्टता के लिए ईईटी.सीआरएस अनुसंधान स्कंध द्वारा आयोजित 5वां फैकल्टी ब्रांडिंग पुरस्कार 2017 में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. सारिका ने शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान सोसाइटी से वर्ष 2017 के लिए एसईआरएस संगणनात्मक जीवविज्ञान वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।
- श्री श्वेतंकलाल, पीएच. डी. शोधार्थी, कृषि सांख्यिकी ने श्वेतंकलाल, सीमा जग्गी, एल्दो वर्गीस, अर्पण भौमिक एवं सिनी वर्गीस द्वारा लिखित शोध पत्र ''न्यूनतम आरएसडी एवं एफएमसी : किफ़ायती परीक्षण अभिकल्पनाओं के निर्माण हेतु आर पैकेज'' के लिए डाइवर्सिटी छात्रवृत्ति प्राप्त की।
- श्री गोपाल साहा ने सत्र 2014.16 के लिए सर्वश्रेष्ठ एम. एससी. (कृषि सांख्यिकी) छात्र के रूप में नेहरू स्मृति स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- श्री अशरफ्फुल हक ने सत्र 2014.16 के लिए सर्वश्रेष्ठ एम. एससी. (संगणक अनुप्रयोग) छात्र के रूप में नेहरू स्मृति स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- सुश्री सौम्या शर्मा ने सत्र 2014.16 के लिए सर्वश्रेष्ठ एम. एससी. (जैवसूचना विज्ञान) छात्र के लिए नेहरू स्मृति स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

विदेश दौरे

- डॉ. यू बी अंगदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने दिनांक 31 जुलाई से 04 अगस्त, 2017 के दौरान अदीस अबाबा, इथियोपिया में ''इथियोपिया में डाटा विश्लेषण और फीड रिसर्च के लिए डाटाबेस एवं पैकेज का विकास'' परियोजना की संकल्पना एवं सोच से उनके प्रमुख स्टाफ को अवगत कराने हेतु कार्यशाला में सहभागिता करने के लिए अदीस अबाबा, इथियोपिया की यात्रा की।
- डॉ. सुदीप ने दिनांक 18 . 22 सितंबर, 2017 के दौरान काली, कोलम्बिया में सीजीआईएआर बृहत डाटा विश्लेषण के प्रथम वार्षिक सम्मेलन में सहभागिता करने के लिए कोलम्बिया की यात्रा की।
- डॉ. तौकीर अहमद को दिनांक 28 . 29 सितंबर, 2017 के दौरान एफएओ मुख्यालय, रोम, इटली में आयोजित एसडीजी 12.3 . खाद्य हानियों और खाद्य की बर्बादी को कम करने पर लक्ष्य की पूर्ति करने हेतु आकलन और कार्रवाई'' पर विशेषज्ञ सलाहकार बैठक के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में संयुक्त राष्ट्र (एफएओ) के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा आमंत्रित किया गया।

परियोजनाएं:आरंभ की गई/पूर्ण की गई

- द्वि.स्तरीय प्रतिचयन अभिकल्पना के तहत परिमित समष्टि के आकलन के लिए द्वि स्तर अंशांकन (एजीईडीआईएएसआरआईएसआईएल 201701600102) (प्रदीप बसाक, कौस्तव आदित्य, हुकुम चन्द्र, अजीतः 29.07.2017.28.01.2020)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

- पशु स्वास्थ्य और उत्पादन में सुधार लाने के लिए शैक्षिक मोबाइल ऐप का विकास और मूल्यांकन (आईवीआरआई, इज्जतनगर के साथ सहयोग) (एजीईडीआईएएसआरआईसीआईपी 201701700103); आईवीआरआई: रूपासी तिवारी, त्रिवेणी दत्त, महेश चन्द्र, संजय कुमार, अमरपाल, पुतन सिंह, जे के प्रसाद, बीना मिश्रा, बी एच एम पटेल, बब्लू कुमार, महेन्द्रन; भाकृसांअसं : सुदीप, मुकेश कुमार, सौमन पाल : 28.06.2017.31.03.2019)।
- कृषि शिक्षा में विश्वविद्यालयों का निष्पादन मूल्यांकन : एक तुलनात्मक विश्लेषण। भाकृअनुप.एक्सट्रामुरल द्वारा वित्तपोषित (एजीईडीआईएएसआरआईएसओएल 201701800104) (सुकांत दाश, अनिल कुमार : 02.08.2017.31.03.2018)।
- एकीकृत कृषि प्रणालियों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत ऑन.स्टेशन नियोजित परीक्षणों का नियोजन, डिजाइनिंग और विश्लेषण। आईएफएस पर एआईसीआरपी द्वारा वित्तपोषित आईआईएफएसआर, मोदीपुरम (एजीईडीआईएएसआरआईएसओएल 201701900105) (अनिल कुमार, मोह. हारून, सुशील कुमार सरकार : 01.04. 2017.31.03.2020)।
- आईएफएस पर एआईसीआरपी के तहत नियोजित ऑन फार्म अनुसंधान परीक्षणों की डिजाइनिंग और विश्लेषण। आईएफएस पर एआईसीआरपी द्वारा वित्तपोषित आईआईएफएसआर, मोदीपुरम (एजीईडीआईएएसआरआईएसओएल 201702000106) (सिनी वर्गीस, सुकांत दाश, अर्पण भौमिक : 01.04.2017.31.03.2020)।
- दीर्घकालिक उर्वरक परीक्षणों पर एआईसीआरपी के लिए परीक्षणों से संबंधित डाटा का नियोजन, डिजाइनिंग एवं विश्लेषण। दीर्घकालिक उर्वरक परीक्षणों पर एआईसीआरपी द्वारा वित्तपोषित, आईआईएसएस, भोपाल (एजीईडीआईएएसआरआईएसओएल 201702100107) (बी एन मंडल, अनिंदिता दत्ता, सुनील कुमार यादव : 01.04.2017.31.03.2018)।

मानव संसाधन विकास

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	शीर्षक	स्थान	दिनांक	प्रतिभागियों की
1.	तकनीकी कार्मिकों के लिए परीक्षण डाटा विश्लेषण पाठ्यक्रम समन्वयक : डॉ. सिनी वर्गीस एवं मो. हारून	भाकृअनुप. भाकृसांअसं, नई दिल्ली	26 जुलाई . 08 अगस्त, 2017	20
2.	भाकृअनुप.भाकृसांअसं में ईआरपी प्रणाली पाठ्यक्रम समन्वयक : डॉ. अलका अरोड़ा एवं डॉ. अंशु भारद्वाज	भाकृअनुप.आईआईडब्ल्यूबीआर, कर	17 . 22 जुलाई, 2017	25
3.	परियोजना ''पटसन उत्पादन के अधिकारियों और व्यापार आक बीच अभिसरण के कारणों का एक अन्वेषण'' के तहत तकनीकी एवं एसआरएफ के लिए डाटा संग्रहण का पर्यवेक्षण सह.समन्वयक: डॉ. सारिका	भाकृअनुप. भाकृसांअसं, नई दिल्ली	24 . 25 जुलाई, 2017	18
4.	जैवमितीय में उच्च सांख्यिकीय तकनीकों पर सीएएफटी कार्यक्रम पाठ्यक्रम समन्वयक : डॉ. ए. के. पॉल सह.समन्वयक : डॉ. प्रकाश कुमार	भाकृअनुप. भाकृसांअसं, नई दिल्ली	10 . 30 अगस्त, 2017	25
5.	परीक्षणात्मक अभिकल्पनाएं और सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण पाठ्यक्रम समन्वयक : डॉ. सीमा जग्गी सह.समन्वयक : डॉ. अर्पण भौमिक	भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली	11.20 सितंबर, 2017	16
6.	नेटवर्किंग : मूलभूत सिद्धांत एवं प्रबंधन पाठ्यक्रम समन्वयक : डॉ. मुकेश कुमार सह.समन्वयक : डॉ. सौमेन पाल	भाकृअनुप. भाकृसांअसं, नई दिल्ली	04 . 08 सितंबर, 2017	19
7.	संगणक अनुप्रयोग (वेबसाइट/पोर्टल की अभिकल्पना और विकास पाठ्यक्रम समन्वयक : श्री पाल सिंह सह.समन्वयक : डॉ. सुदीप मारवाह	भाकृअनुप. भाकृसांअसं, नई दिल्ली	22 . 27 सितंबर, 2017	22
8.	कृषि में प्रतिदर्श सर्वेक्षण तकनीकों का उपयोग समन्वयक : वन्दिता कुमारी चौधरी सह.समन्वयक: श्री दीपक सिंह एवं डॉ. प्रदीप बसाक	भाकृअनुप. भाकृसांअसं, नई दिल्ली	25 . 27 सितंबर, 2017	12

गतिविधियों के परिदृश्य

वार्षिक दिवस समारोह

दिनांक 03 जुलाई, 2017 को संस्थान का वार्षिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. एन. एस. राठोड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भारत में कृषि शिक्षा पर नेहरू स्मृति व्याख्यान दिया। डॉऋ कीर्ति सिंह, पूर्व. अध्यक्ष, एएसआरबी एवं सलाहकार, कृषि विश्वविद्यालय स्थापना, नेपाल सरकार ने समारोह की अध्यक्षता की और डॉ. आर. बी. सिंह, पूर्व.कुलपति, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल सम्मानित अतिथि थे।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

शिक्षक दिवस समारोह

संस्थान में दिनांक 05 सितंबर, 2017 को शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें डॉ. एस. के. रहेजा, पूर्व.निदेशक ने समारोह की अध्यक्षता की और डॉ. आर. के. पाण्डेय, पूर्व. निदेशक, भाकृसांअसं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा

संस्थान में 01 से 14 सितम्बर 2017 के दौरान हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया । दिनांक 01 सितम्बर, 2017 को हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन संस्थान के निदेशक, डॉ. अंजनी कुमार चौबे जी द्वारा किया गया । हिन्दी उद्घाटन के पश्चात काव्य–पाठ का आयोजन किया गया । हिन्दी पखवाड़े के दौरान 'डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान' के साथ–साथ वैज्ञानिक प्रभागों में हिन्दी में सर्वाधिक वैज्ञानिक कार्य करने के लिए प्रभागीय चल–शील्ड तथा काव्य–पाठ, वाद–विवाद, प्रश्न–मंच, अन्ताक्षरी, काव्य–गोष्ठी, डिजिटल हिन्दी शोध–पत्र प्रस्तुति, हिन्दीतर कर्मियों के लिए हिन्दी श्रुतलेख एवं शब्दार्थ लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी । प्रश्न–मंच एवं अन्ताक्षरी प्रतियोगिता के संचालकों द्वारा इन प्रतियोगिताओं को ऑडियो विजुअल रूप में प्रस्तुत किया गया जिससे ये प्रतियोगिताएँ अत्यन्त ही रोचक रहीं । सभी प्रतियोगिताओं में छात्रों सहित संस्थान के विभिन्न वर्गों के कर्मियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया । संस्थान में प्रत्येक वर्ष हिन्दी दिवस के अवसर पर डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाता है । इस वर्ष इस कड़ी का छब्बीसवाँ व्याख्यान संस्थान के पूर्व प्रोफेसर (कृषि सांख्यिकी), डॉ. रणधीर सिंह जीद्वारा दिया गया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आई.सी. एम.आर. के पूर्व अपर महानिदेशक एवं राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग के सदस्य, डॉ. पदम सिंह जी द्वारा की गयी । दिनांक 14 सितम्बर, 2017 को हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के सफल प्रतियोगियों को पुरस्कृत करने के साथ–साथ वर्ष 2016–17 के दौरान ''सरकारी कामकाज मूल रूप से हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना'' के अन्तर्गत भी नकद पुरस्कार प्रदान किये गये । इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर जुलाई 2016 से जून, 2017 तक की अवधि के दौरान संस्थान में अयोजित हिन्दी कार्यशालाओं के वक्ताओं को भी सम्मानित करने के साथ–साथ संस्थान द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका : सांख्यिकी विमर्श 2016–17 के सम्पादक मंडल के सदस्यों को भी प्रशस्ति–पत्र प्रदान किये गये ।

स्वच्छ भारत अभियान

- स्वच्छ भारत अभियान के तहत दिनांक 17 सितंबर, 2017 को सेवा दिवस मनाया गया और संस्थान के कर्मियों द्वारा साफ.सफाई गतिविधियां चलाई गईं।

- दिनांक 24 सितंबर, 2017 को समग्र स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया जिसके तहत कर्मियों ने श्रमदान दिया।
- संस्थान के कर्मियों ने जन शौचालयों की सफाई के लिए दिनांक 25 सितंबर, 2017 को सर्वत्र स्वच्छता समारोह आयोजित किया।

प्रकाशन

शोध पत्र

1. प्रकाश, ए, सिंह, एच एन, शेखावत, आर एस एवं संधु एस (2017). उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले में हाइब्रिड एवं अंतरजात चावल उत्पादन की आर्थिक दक्षता पर तुलनात्मक विश्लेषण। *जे. इको. मैनेज. ट्रेड,* 18 (4), *1.7.*
2. दास, एस, पॉल, ए के, वाही, एस डी एवं प्रधान, यू के (2017). फसल जीनप्ररूपों के वर्गीकरण में लुप्त डाटा के विभिन्न अनुपातों के लिए इम्प्यूटेशन विधियों का तुलनात्मक निष्पादन। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *147.153.*
3. सामंत, एस, पौल, आर के एवं रॉय, ए (2017). मल्टीपल एंडग्वाइंट्स के साथ मॉडलिंग पुनरावृत्तीय मानदंड, *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *113.120.*
4. राठोड़, एस, सिंह, के एन, पॉल, आर के, मेहेर, एस के, मिश्राा, जी सी, गुरूंग, बी, रे, एम एवं सिन्हा, के (2017). कृषि जिंस मूल्य के पूर्वानुमान के लिए अधिकतम अतिव्याप्त विविक्तकर वेवलेट रूपांतरण (एमओडीडब्ल्यूटी) एवं एएनएन का प्रयोग करते हुए एक उन्नत अरफिमा (।त्थ्प्ड।) मॉडल। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *103.111.*
5. घोष, एच (2017). वंशागतित्व के निरंतर आकलन के लिए अलाम्बिक इष्टतम आंशिक डायलल क्रॉस अभिकल्पनाएं। *जे. जापना स्टैटिस्ट. एस.,* 47 (1), *37.48.*
6. घोष, एच एवं प्रज्ञेषु (2017). रिचर्ड्स प्रसंभाव्यता भिन्नात्मक समीकरण विकास मॉडल और इसका अनुप्रयोग। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *127.137.*
7. सिंह, ओ एन, सिंह, जी एन, पॉल, ए के, कुमार, एस एवं गंगमेरी, एस (2017). सरसों ऐफिड के मौसमीय आपतन के लिए समष्टि विकास का प्रतिचित्रण। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *155.157.*
8. मेहेर, पी के एवं राव, ए आर (2017). डोनर स्प्लाइस साइट्स के पूर्वानुमान के लिए एक अप्राचलीकृत आधारित संगणनात्मक अनुमोदन। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *159.166.*
9. प्रकाश, ए, सिंह, एच एन एवं शेखावत, आर एस (2017). उत्तराखं डमें हाइब्रिड एवं अंतरजात चावल उत्पादन में संसाधन उपयोग दक्षता। *एशियन जे. एग्रिल. एक्सटे., इको. एवं सोसो.,* 18 (1), *1.7.*
10. अंजॉय, पी, पॉल, आर के, सिन्हा, के, पॉल, ए के एवं रे, एम (2017). भारत में दलहनों के मासिक डब्ल्यूपीआई का पूर्वानुमान करने के लिए एक हाइब्रिड वेवलेट आधारित तंत्रिका नेटवर्क्स मॉडल। ह *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *147.153.*
11. राठोड़, एस, सिंह, के एन, पॉल, आर के, मेहेर, एस के, मिश्रा, जी सी, गुरूंग, बी, रे, एम एवं सिन्हा, के (2017). कृषि जिंस मूल्य के पूर्वानुमान के लिए अधिकतम अतिव्याप्ति विविक्तकर वेवलेट रूपांतरण (एमओडीडब्ल्यूटी) एवं एएनएन का प्रयोग करते हुए एक उन्नत अरफिमा (।त्थ्प्ड।) मॉडल। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *103.111.*
12. भौमिक, ए, वर्गीस, ई, जग्गी, एस एवं वर्गीस, सी (2017). बहुउपादानी परीक्षणों में न्यूनतम परिवर्तित रन अनुक्रम। कॉम्यू. इन स्टैटिस्टि : *थ्योरी मैथड्स,* 46 (15), *7444.7459.*
13. सौरव, एस, वर्गीस, सी, वर्गीस, ई एवं जग्गी, एस (2017). दो सत्रों में सेंसरी परीक्षणों के लिए परीक्षण अभिकल्पनाएं। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 71 (2), *121.126.*
14. जेरोम, ए, श्रीवास्तव, एस के, शर्मा, आर के, सरकार, एस के एवं कुमार, आर (2017). भैंसों में सभी मौसमों में फोलिकुलर गतिकी, हार्मोनल एवं बायोकेमिकल प्रोफाइल। *इंड. जे. एनिम. साइं.,* 87 (7), *824.828.*
15. गायकवाड़, एन एन, येडले, एव एच, येंगे,जी, सुर्यावंशी, एस, बाबू, के डी, पाल, आर के एवं सरकार, एस (2017). अनार बीज (किस्म भगवा) तेल की निष्कर्षण मात्रा पर माइक्रोवेव पूर्व.उपचार का प्रभाव। *इंटरनेशनल जे. एग्रिल स्टैट. साइं.,* 13 (1), *337.344.*
16. जेना, सी, दहिश, एस, महाजन, वी के, दास, टी के एवं आलम, एन एम (2016). भारत में फील्ड फसलों के लिए शाकनाशी संस्तुति पर एक वेब आधारित प्रणाली। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टैटिस्ट.,* 70 (3), *287.294.*
17. कुमार, डी एवं फारूकी, एम एस (2017). सामान्यीकृत ऑर्डर सांख्यिकी के आधार पर टाइप ᴵ सामान्यीकृत हाफ लॉजिस्टिक बंटन, *इंटरनेशनल जे. एग्रिल स्टैट. साइं.,* 13 (1), *337.344.*
18. इकबाल, एम क, तोमर, आर एस, परखिया, एम वी, जयसवाल, एस डी, सारिका, राठोड़, वी एम, पाधियर, एस एम, कुमार, एन, रे, ए एवं कुमार, डी (2017). मूंगफली तना संड़न कवक ऐथिलिया रोलफ्सी का ड्राफ्ट पूर्ण जीनोम अनुक्रम, जो उसकी रोगजनकता एवं उग्रता की आनुवंशिक संरचना को इंगित करता है। *नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स.*
19. कुमार, डी के, रामसुब्रमनियन, वी, कृष्ण, एम, अनंथन, पी एस, विनय, ए एवं कुमार, आर एस (2017). तटवर्ती भारत की मछलियों की सामाजिक.आर्थिक स्थिति। *इंट. जे. कर. माइक्रोबायोल. एप्प. साइं., इंटरनेशनल जे.* 6 (9), *2267.2280.*
20. भट्टाराय, एम, जोशी, पी के, शेखावत, आर एस एवं टेकशिमा, एच (2017). भारत के कम मजदूरी अर्थव्यवस्था में ट्रेक्ट्रोराइजेशन का उद्भव : शीर्ष प्रतिमान एवं निहितार्थ। *डिसकशन पेपर, आईएफपीआरआई, वॉशिंगटन, यूएसए*
21. प्रज्ञेषु, घोष, एच एवं पांडे एनएन (2017). वॉन बर्टलैनफी ग्रोथ मॉडल : प्रसंभाव्यता भिन्नात्मक समीकरण पद्धति. *इंड. जे. फिश.,* 64 (3), *24.28.*
22. पॉल, आर के एवं अंजॉय, पी (2017). स्ट्रक्चरल ब्रेक की मौजूदगी में भारत में मॉडलिंग भिन्नात्मक एकीकृत तापमान श्रृंखलाएं। *थ्यो. ऐंड एप्प. क्लिमाटोलॉजी.*
23. पॉल, ए के, पॉल, आर के, प्रभाकरन, वी टी, सिंह, आई एवं सिंह, एन ओ (2017). मूलभूत डाटा/चरों के असामान्य होने पर भिन्न प्राचलीकृत स्थिरता मानदंडों का अध्ययन। *इंड. जे. एग्रिल. साइं.,* 87 (9), *1252.1256.*
24. मित्रा, डी एवं पॉल, आर के (2017). कृषि जिंस मूल्यों के पूर्वानुमान के लिए हाइब्रिड काल.श्रृंखला मॉडल्स। *मॉडल असिस्ट. स्टैटिस्ट. ऐंड एप्ली., 12, 255.264.*

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

25. भौमिक, ए, जग्गी, एस, वर्गीस, ई एवं वर्गीस, सी (2017)। अयोगात्मक मिश्रित प्रभाव व्यतिकरण के साथ इष्टतम ब्लॉक अभिकल्पनाएं, कॉम्प्यू. स्टैटिस्ट. : *थ्योरी मैथड्स।*
26. जग्गी, एस, पटेरिया, डी के, वर्गीस, सी, वर्गीस, ई एवं भौमिक, ए (2017). चक्रिक प्रतिवेश संतुलित अभिकल्पनाएं, कॉम्प्यू. स्टैटिस्ट. : *सिमुल. कॉम्प्यूटे.*
27. जग्गी, एस (2017). कृषि सांख्यिकी। स्नातकोत्तर अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास। भाकृअसं : 2007.16, खंड II, स्नातकोत्तर स्कूल, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, 367.444 (आईएसबीनएन : 978.83168.30.9).
28. कृष्णा, जी, साहू,आर एन, प्रधान, एस, अहमद, टी एवं साहू, पी एम (2017). प्योर पिक्सल्स निष्कर्शण के लिए हाइपरस्पेक्ट्रल सेटलाइट डाटा और एलयूएलसी वर्गीकरण के लिए उन्नत एल्गोरिथ्म। *अर्थ साइंस इंफार्मेटिक्स।*
29. परिहार, ए के, बसन्द्राई, ए के, सक्सेना, डी आर, कुशवाहा, के पी एस, चन्द्र, एस, शर्मा, के, सिंघा, के डी, सिंह, डी, लाल, एच सी एवं गुप्ता, एस (2017). टेस्ट इन्वॉयरमेंट्स का बाइप्लॉट मूल्यांकन और भारत में फ्युसेरियम मुरझान से स्थायी प्रतिरोध के साथ मसूर जीनप्ररूपों की पहचान। *क्रॉप ऐंड पास्चर साइंस।*
30. मौरी, पी के एवं अहम, टी (2017). स्त्ररित द्वि स्तर प्रतिचयन अभिकल्पना संरचना के तहत द्वि प्रतिचयन पद्धति का प्रयोग करते हुए तहसील स्तर पर कपास उपज का आकलन। *इंटरनेशनल जे. एग्रिल स्टैट. साइंस ऐंड रिसर्च,* 7 (5), *249.256.*
31. अरोड़ा, के, पांडा, के के, मित्तल, एस, मल्लिकार्जुन, एम जी, राव, ए आर, दाश, पी के एवं तिरुनावुक्कारासु, एन (2017). त्छ\मु ने महत्वपूर्ण जीन पाथवे प्रदर्शित किए जो मक्का में जलभराव दबाव के तहत अनुकूलनीय कार्यपद्धतियों को नियंत्रित करते हैं। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 7, *1090, 1.12.*
32. जसरोटिया, आर एस, इकबाल, एम ए, यादव, पी के, कुमार, एन जे, सारिका, अंगदी, यू बी, रास, ए एवं कुमार, डी (2017). विग्ना मुन्गो में पीला मोजेक रोग के ट्रांसक्रिप्टोम आधारित जीन जीनोमिक संसाधनों का विकास। *फिजियो. ऐंड मॉली. बायो. प्लांट्स।*

लोकप्रिय लेख

- बनर्जी, राहुल, जग्गी, सीमा, वर्गीस, एल्दो, वर्गीस, सिनी, भौमिक, अर्पण एवं गहलौत, बी. जे. (2017). डिस्क्रीट चयन समुच्चय परीक्षणों के लिए अभिकल्पनाएं। भारतीय कृषि अनुसंधान पत्रिका, 32 (1), 57-61.
- रविन्द्र सिंह शेखावत (2017). भारत में ग्रामीण विपणन : एक उभरता मुद्दा। बायोआर्टिकल में ऑनलाइन प्रकाशित।
- रविन्द्र सिंह शोखवत एवं नीलम शेवावत (2017). जलवायु परिवर्तन : खाद्य सुरक्षा के लिए चुनौतियां। बायोआर्टिकल में ऑनलाइन प्रकाशित।

कृषि अनुसंधान डाटा बुक

- अहमद, टी, साहू, पी एम, बिस्वास, ए, कुमार, आर एवं सिंह, डी (2017). कृषि अनुसंधान डाटा बुक 2017. भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली प्रकाशन।

परियोजना रिपोर्ट

- वर्गीस, सी, दाश, एस, भौमिक, ए एवं शर्मा, एन के (2017). एकीकृत कृषि प्रणाली पर अखिल भारतीस समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत नियोजित ऑन.फार्म अनुसंधान परीक्षणों की अभिकल्पना और विश्लेषण। एसआईएक्स 1207, भाकृसांअसं/पी. आर..06/2017, भाकृसांअसं, नई दिल्ली।
- कुमार ए, वर्गीस ई, प्रसाद आर, पंवार ए एस, गंगवार बी, सिंह, जे पी (2017). आईएफएस पर एआईसीआरपी के तहत नियोजन ऑन.स्टेशन अनुसंधान परीक्षणों का सांख्यिकीय विश्लेषण। संशोधन के पश्चात प्रस्तुत किया गया।
- अहमद, टी, सूद, यू सी, बिस्वास, ए एवं सिंह, एम (2017). भारत मं कृषि जनगणना के इनपुट सर्वेक्षण से संबद्ध फार्म स्तर पर निजी खाद्यान्न भंडार के आकलन पर प्रायोगिक अध्ययन। अंतिम प्रारूप परियोजना रिपोर्ट। भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली प्रकाशन।

मैनुअल/ई.मैनुअल/पम्फलेट

- पॉल, ए के एवं कुमार, पी (2017). जैवमिती में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकें (वॉल्यूम-I एवं II)। दिनांक 10.08.2017.30.08.2017 के दौरान भाकृसांअसं में आयोजित उच्च संकाय प्रशिक्षण (सीएएफटी) कार्यक्रम केंद्र के लिए प्रशिक्षण मैनुअल।
- सारिका, इकबाल, एम ए, अंगदी, यू बी, कुमार, डी एवं राय, ए ने भाकृअनुप.भाकृसांअसं एवं जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय द्वारा बाजरा फसल के सूखा ट्रांसक्रिप्टोम पर संयुक्त रूप से सहयोगात्मक कार्य किया गया। ट्रांसक्रिप्टोम डाटा एनसीबीआई को प्रस्तुत किया गया है, यूएसए बायोप्रोजेक्ट : पीआरजेएनए 385901 बायोसैंपल्स : एसएएमएन 06920424, एसएएमएन 06920426, एसएएमएन 06920432, एसएएमएन 06920433; एसआरए वंशावली संख्या : एसआरआर 5839373, एसआरआर 5839374, एसआरआर 5859375, एसआरआर 5859376.
- सिनी वर्गीस एवं हारून मोहम्मद (2017). दिनांक 26.07.2017.08.08.2017 के दौरान परीक्षण डाटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए परीक्षणात्मक डाटा विश्लेषण पर ई. मैनुअल।
- सीमा जग्गी एवं अर्पण भौमिक (2017). परीक्षणात्मक अभिकल्पनाओं और सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण पर संदर्भ मैनुअल। भाकृअनुप-भाकृसांअसं प्रकाशन।
- दिनांक 25.27 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित कृषि में प्रतिदर्श सर्वेक्षण तकनीकों के उपयोग पर एक हिंदी कार्यशाला संदर्भ मैनुअल।
- भारांकित ए. इष्टतम बीटीआईबी डिजाइन का एक कैटलॉग, http://iasri.res.in/design/WAoptBTIB/WAoptBTIB.html पर प्रकाशित।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार
खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

लीफलेट एवं ब्रोशर

- पॉल, ए के एवं कुमार, पी (2017). उच्च संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्र (सीएएफटी) के लिए जैवामिती में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों पर प्रशिक्षण ब्रोशर।

विकसित पैकेज

- *बाजरा सूखा ट्रांसक्रिप्टोम डाटाबेस*
- *इलाइची मोजेक विषाणु के लिए छोटी इलाइची ट्रांसक्रिप्टोमिक डाटाबेस*
- *रोहु ट्रांसक्रिप्टोम डाटाबेस*

-डॉ. एम ए इकबाल, डॉ. सारिका, डॉ. यू बी अंगदी, डॉ. अनिल राय एवं दिनेश कुमार ।

प्रस्तुत व्याख्यान

- कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स पर भाकृअनुप.राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित भाकृअनुप.ग्रीष्मकालीन स्कूल प्रशिक्षण में ऐक्सल, गार्च मॉडल्स एवं हाइब्रिड काल श्रृंखला मॉडल्स का प्रयोग करते हुए डाटा विश्लेषण (आर के पॉल)।
- कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स पर भाकृअनुप.राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण में अप्रचालीकृत टेस्ट्स एवं उनके अनुप्रयोग (डॉ. वसी आलम)।
- एसपीएसएस : कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स पर भाकृअनुप.एनआईएपी द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन स्कूल प्रशिक्षण में एसपीएसएस का प्रयोग करते हुए एक ओवरव्यू एवं सहसंबंध और समाश्रयण (डॉ. सीमा जग्गी)।
- मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में दिनांक 25.29 जुलाई, 2017 के दौरान अनुसंधान में जैवसांख्यिकी एवं जैवसूचना विज्ञान टूल्स पर संकार विकास कार्यक्रम में प्राक्कल्पना और मूल परीक्षण अभिकल्पना की टेस्टिंग (डॉ. सीमा जग्गी)।
- कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स पर भाकृअनुप.एनआईएपी, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 10.30 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित ग्रीष्मकालीन स्कूल के प्रतिभागियों को एसएएस से परिचय कराया गया (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)।
- शहीद राजगुरू महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली में दिनांक 12.27 जुलाई के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम के प्रतिभागियों को सांख्यिकी एवं उसके मूलभूत सिद्धांतों तथा वेब संसाधनों से परिचय कराया गया (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)।
- एनपीओएफ के लिए स्थिरता/मिश्रित विश्लेषण कार्यपद्धति पर भाकृअनुप.आईआईएफएसआर, मोदीपुरम में दिनांक 25.26 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को ;पद्ध परीक्षण डाटा का मिश्रित विश्लेषण; ;पपद्ध अभिकल्पित परीक्षणों पर वेब संसाधन और ;पपपद्ध भारतीय एनएआरएस सांख्यिकीय संगणन पोर्टल पर व्याख्यान दिया गया (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)।
- कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स पर राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान संस्थान द्वारा दिनांक 10.30 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित ग्रीष्मकालीन स्कूल में सामाजिक विज्ञान में यादृच्छिक नियंत्रण अभिकल्पना पर व्याख्यान (डॉ. अनिल कुमार)।
- किसान सशक्तिकरण और उद्यमिता विकास के लिए सकीकृत कृषि प्रणालियों पर सस्य विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप.भाकृअसं, नई दिल्ली में आयोजित ग्रीष्म स्कूल में आईएफएस में किसान प्रक्षेत्र परीक्षण डाटा विश्लेषण पर व्याख्यान (डॉ. सिनी वर्गीस)।
- सुरक्षित, संरक्षित एवं स्थायी खाद्य उत्पादन के लिए जैविक कृषि के आधुनिक मूलभूति सिद्धांतों एवं विधियों पर भाकृअनुप.आईआईएफएसआर, मोदीपुरम द्वारा दिनांक 14 जुलाई से 03 अगस्त, 2017 के दौरान आयोजित ग्रीष्मकालीन स्कूल में डाटा पूलिंग एवं विश्नलेषण के लिए ओएफआर डाटा प्रसंस्करण एवं विश्लेषण तथा सांक्यिकीय टूल्स और तकनीकों पर व्याख्यान (डॉ. सिनी वर्गीस)।
- ''कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स पर भाकृअनुप.एनआईएपी, नई दिल्ली में दिनांक 10.30 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित भाकृअनुप.ग्रीष्मकालीन स्कूल के प्रतिभागियों को ;पद्ध पीसीए एवं ;पपद्ध क्लस्टर विश्लेषण पर व्याख्यान (डॉ. सुशील कुमार सरकार)।
- शहीद राजगुरू महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली में दिनांक 12.27 जुलाई के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में आर का प्रयोग करते हुए डाटा विश्लेषण पर व्याख्यान (डॉ. बी. एन मंडल)।
- ''कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स'' पर दिनांक 10.30 जुलाई, 2017 के दौरान भाकृअनुप .एनआईएपी में आर के ओवरव्यू पर व्याख्यान (डॉ. बी. एन. मंडल)।
- ''कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स'' पर भाकृअनुप.राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में दिनांक 10.30 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित भाकृअनुप.ग्रीष्मकालीन स्कूल प्रशिक्षण में सामूहिक विश्लेषण का अनुप्रयोग : थ्योरी एवं प्रैक्टिकल पर व्याख्यान (डॉ. सुकांत दाश)।
- कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स पर भाकृअनुप.एनआईएपी, नई दिल्ली में आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में ;पद्ध समाश्रयण विश्लेषण के मूलभूत सिद्धांत और ;पपद्ध डाइग्नोस्टिक टेस्ट्स पर व्याख्यान (डॉ. अर्पण भौमिक)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

- अनुसंधान में जैवसांख्यिकी एवं जैवसूचना विज्ञान टूल्स पर मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में दिनांक 25.29 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण में दिनांक 26 जुलाई, 2017 को अनुसंधान में जैवसूचना विज्ञान के नवीनतम विकासों का ओवरव्यू (डॉ. दिनेश कुमार)।
- अशोका : ''कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण टूल्स'' पर भाकृअनुप.एनआईएपी, नई दिल्ली में आयोजित भाकृअनुप प्रायोजित ग्रीष्मकालीन स्कूल में कृषि में उच्च संगणन पर व्याख्यान (डॉ. के.. चतुर्वेदी)।
- जैवप्रौद्योगिकी विभाग, एफईटी, एमआरआईयू में दिनांक 25 जुलाई से 29 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित 'अनुसंधान में जैव सांख्यिकी और जैवसूचना विज्ञान टूल्स' पर एफडीपी में जीनोम असेम्बली एवं व्याख्या पर व्याख्यान (श्री संजीव कुमार)।
- मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में दिनांक 25.29 जुलाई, 2017 के दौरान ''अनुसंधान में जैवसांख्यिकी एवं जैवसूचना विज्ञान टूल्स'' पर आयोजित प्रशिक्षण में आगामी पीढ़ी अनुक्रमण तकनीके और जीनोम असेम्बली : सिद्धांत और चुनौतियां (डॉ. डी. सी. मिश्रा)।
- भाकृअनुप.राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएपी), नई दिल्ली में आयोजित भाकृअनुप.ग्रीष्मकालीन स्कूल में कृषि में निर्णयन हेतु उन्नत विश्लेषण तकनीकों पर व्याख्यान (डॉ. अंकुर बिस्वास)।
- ''किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकीय एवं नीति विकल्पों'' पर कृषि आर्थिकी प्रभाग, भाकृअनुप.भाकृअसं, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 26 सितंबर, 2017 को आयोजित उच्च संकाय केंद्र प्रशिक्षण स्कीम द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसएएस पर ओवरव्यू और व्यावहारिक अभ्यास पर व्याख्यान (सुकांत दाश)।
- ''किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकीय एवं नीति विकल्पों'' पर कृषि आर्थिकी प्रभाग, भाकृअनुप.भाकृअसं, नई दिल्ली में दिनांक 23 सितंबर.13 अक्तूबर, 2017 को आयोजित सीएएफटी प्रशिक्षण में एसएएस पर ओवरव्यू और व्यावहारिक अभ्यास पर व्याख्यान (रामसुब्रामनियन वी.)।
- कृषि बाजार, मूल्य डाटा कल्पना और अगेती चेतावनी प्रणाली पर एफएओ द्वारा दिनांक 11.12 सितंबर, 2017 के दौरान होटल ताज महल, मानसिंह रोड, नई दिल्ली में आयोजित विशषज्ञों की राष्ट्रीय बैठक में पूर्वानुमान कृषि जिंस मूल्यों के लिए काल श्रृंखला मॉडल्स (आर. के. पॉल)।
- गणित और सांख्यिकी प्रभाग, बनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा दिनांक 03 सितंबर, 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर का प्रयोग करते हुए सांख्यिकीय तकनीकों पर व्याख्यान।
- लाइफ साइंस डाटा के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय साफ्टवेयर के प्रयोग पर कृषि विज्ञान और प्रौद्वोगिकी विश्वविद्यालय, शेरे कश्मीर में दिनांक 26 सितंबर, 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में ;पद्ध सर्वेक्षण डाटा के विश्लेषण में सर्वेक्षण भारांकों का प्रभाव, और ;पपद्ध सर्वेक्षण डाटा विश्लेषण के लिए आर.सॉफ्टवेयर पर व्याख्यान (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
- एनएएआरएम, हैदराबाद में 106वें फोकार्स में दिनांक 14 सितंबर, 2017 को एनएआरईएस में कृषि जैवसूचना विज्ञान की पहल पर व्याख्यान (डॉ. अनिल राय)।
- ''फसल सुधार में जीनोमिक, प्रोटियोमिक एवं मेटाबोलोमिक अनुप्रयोग'' पर दिनांक 8 और 9 सितंबर, 2017 को भाकृअनुप शीतकालीन स्कूल में ;पद्ध कृषि जैवसूचना विज्ञान की वैश्विक स्थिति और ;पपद्ध आणविक मार्कर्स की खोज और उनके अनुप्रयोग पर व्याख्यान (डॉ. दिनेश कुमार)।
- ''फसल सुधार में जीनोमिक, प्रोटियोमिक एवं मेटाबोलोमिक अनुप्रयोग'' पर दिनांक 8 और 9 सितंबर, 2017 को भाकृअनुप शीतकालीन स्कूल में ;पद्ध जीनोम असेम्बली ;पपद्ध ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण ;पपपद्ध मेटाजीनोम विश्लेषण पर व्याख्यान (डॉ. मीर आसिफ इकबाल)।
- ''भाकृअनुप/एसएयू/सीएयू/केविके के तकनीकी कर्मियों के लिए दिनांक 23 सितंबर, 2017 को संगणक अनुप्रयोग'' प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीएचपी एवं माईएसक्यूएल कनेक्टिविटी से परिचय पर व्याख्यान (डॉ. यू. बी. अंगदी)।

सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए शोध पत्र

जैवसूचना विज्ञान और संगणनात्मक जीव विज्ञान के माध्यम से बाधाओं का समाधान'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी, दिल्ली

(31.07.2017 से 01.08.2017)

- मित्तल, एस, मल्लिकार्जुन, एम जी, जेन, पी ए, राव, ए आर, तिरूनावुक्कारासु, एन (2017). अराबिडोप्सिस, मक्का, चावल और ज्वार में सूखा अनुक्रियाशील सीडीपीके जीन परिवार का जीनोम.वार अभिनिर्धारण, लक्षणवर्णन और वैधीकरण।
- साहू, एस, दीक्षित, आर, सिंह, आई, कुमार, एच, पांडे, जे एवं राव, ए आर (2017). चौलाई माहक्रोसेटलाइटा डाटाबेस (एएमडी): एसएसआर के बंटन और आवृत्ति पर जीनोम स्तरीय सूचना।
- गाहोई, एस, मेहेर, पी के, साहू, टी के एवं राव, ए आर (2017). जी.स्पेस्ड डाइ.पेप्टाइड फ़ीचर्स और सपोर्ट वेक्टर मशीन के आधार पर हीट शॉक प्रोटीन्स, उनके परिवारों तथा सब.टाइप्स की बेहतर अभिस्वीकृति।
- सिंह, आई, पात्रा, बी, चक्रवर्ती, एच जे, बेहरा, बी के एवं राव, ए आर (2017). उत्तर भारत के नदी तट पारिस्थितिकी में सूक्ष्म जीवाणु समुदायों का मेटाजीनोमिक विश्लेषण।
- सुप्रिया, पी, सारिका, एस, राव, ए आर एवं भट्ट, के वी (2017). तिल (*सिसेमुम इंडिकुम* एल.) में जीन्स का जीनोम.वार अभिनिर्धारण और फलनात्मक व्याख्या।
- वार्ष्णेय एस, भाटी जे, चतुर्वेदी के के, राय ए, कुमार आर आर, गोस्वामी एस, चिनुस्वामी वी एवं मिश्रा डी सी (2017). गेहूँ (*ट्राइटिकुम ऐस्टिवुम*) में हीट संबंधि एसएसआरएस का अभिनिर्धारण।

- शर्मा अ. और सिंह आ. (2017). सिमेंटिक्स और सॉफ्टवेयर एजेंट आधारित वेब पर्सन्लाइज्ड सूचना बहाली। शोध पत्र प्रस्तुति भारतीय भाषाओं में प्रथम विज्ञान संगोष्ठी, 22 अगस्त, 2017, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान।
- लाल एस. बी. शर्मा अ., चतुर्वेदी के. के., अंगादी यू. बी, फारूकी एम एस एवं राय अ. (2017). इंटरेनेट ऑफ़ थिंग्स (आई. ओ. टी.) और कृषि : एक अवलोकन, शोध पत्र प्रस्तुति भारतीय भाषाओं में प्रथम विज्ञान संगोष्ठी, 22 अगस्त, 2017, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान।
- चन्द्र, एच (2017). सर्वेक्षण और जनगणना डाटा का एकीकरण कर ग्रामीण आजीविकाओं में कर्जे के प्रभाव का अविनियोजित स्तरीय आकलन और स्थानिक प्रतिचित्रण . लघु क्षेत्र आकलन तकनीक का अनुप्रयोग, दिनांक 10.13 सितंबर, 2017 के दौरान भारत के गोवा में एनएसएसओ 70वें एवं 71वें दौर के दौरान शामिल किए गए विषयों से संबंधित सर्वेक्षण परिणामों पर राष्ट्रीय सेमिनार।

सहभागिता

सम्मेलन/कार्यशालाएं/ सेमिनार/संगोष्ठी/ प्रशिक्षण/फाउन्डेशन पाठ्यक्रम/स्थापना दिवस

1. नई दिल्ली, भारत में दिनांक 20.21 जुलाई, 2017 के दौरान 'दक्षिण एशिया में कृषि यांत्रिकीकरण' पर क्षेत्रीय चर्चा, आईएफपीआरआई, नई दिल्ली द्वारा एनएएससी, नई दिल्ली में आयोजित (डॉ. रविन्द्र सिंह शेखावत)।
2. ईएसआरआई इंडिया लिमिटेड, नोएडा में दिनांक 10 से 14 जुलाई, 2017 के दौरान आर्कजीआईएस 1 : जीआईएस और आर्क जीईएस 3 से परिचय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम।
3. कृषि भवन में दिनांक 17 जुलाई, 2017 को समीक्षा बैठक में केविके पोर्टल की प्रगति का प्रस्तुतीकरण (डॉ. सौमेन पाल, डॉ. सुदीप मारवाह एवं डॉ. ए. के. चौबे)।
4. एनएएससी परिसर में दिनांक 16 जुलाई को निदेशकों का सम्मेलन (डॉ. ए के चौबे एवं सुदीप मारवाह)।
5. भाकृअनुपएनबीएफजीआर, लखनऊ में दिनांक 26.27 जुलाई, 2017 को उप महानिदेशक (मात्स्यकी), भाकृअनुप नई दिल्ली की अध्यक्षता के तहत सीआरपी.जीनोमिक्स की समीक्षा कार्यशाला (डॉ. अनिल राय)।
6. आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय, कृषि सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 31 अगस्त, 2017 को आयोजित यूएसडीए.भारत कृषि आउटलुक फोरम 2017 (डॉ. तौकीर अहमद एवं डॉ. हुकुम चन्द्र)।
7. एमएनसीएफसी, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा भाकृअनुप.भाकृअसं परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 18 अगस्त, 2017 को आयोजित ''चमन परियोजना के तहत बागवानी फसलों के लिए उपज मॉडल्स का विकास'' पर कार्यशाला (डॉ. तौकीर अहमद एवं डॉ. प्राची मिश्रा साहू)।
8. भाकृअनुप.एनएएआरएम, हैदराबाद में दिनांक 31 अगस्त, 2017 को आयोजित 2030 के लिए कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार प्रणाली प्रबंधन के सुदृढ़ीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला (डॉ. सीमा जग्गी एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)।
9. एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 4 अगस्त, 2017 को एकीकृत प्रजनन प्लेटफॉर्म (आईबीपी) के प्रजनन प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस) के माध्यम से प्रजनन डाटाबेस के अंकीयकरण पर कार्यशाला (डॉ. सुशील कुमार सरकार)।
10. एफएओ द्वारा ताज मानसिंह होटल, नई दिल्ली में दिनांक 21 अगस्त, 2017 को आयोजित भारत में कृषि बाजारों, मूल्यों और बाजार एकीकरण . सिद्धांत एवं कार्यपद्धति संबंधी मुद्दे पर कार्यशाला (आर के पॉल)।
11. एनएएससी परसिर में दिनांक 23 अगस्त, 2017 को एनएएचईपी कार्यशाला। डॉ. सुदीप मारवाह ने कृषि विश्वविद्यालयों के सभी अधिकारियों हेतु एनएआरईएस के लिए संघटक 2 आईटी की संरचना पर प्रस्तुतीकरण दिया।
12. एनएएआरएम, हैदराबाद में दिनांक 31 अगस्त, 2017 को आयोजित 2030 के लिए कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार प्रणाली प्रबंधन के सुदृढ़ीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला (डॉ. अनिल राय)।
13. अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषाओं में प्रथम विज्ञान संगोष्ठी, 22 अगस्त, 2017, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरूक्षेत्र (डॉ. अनु शर्मा)।
14. एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 27.28 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित ''भारत में कृषि ज्ञान प्रबंधन के लिए एक रोडमैप का विकास'' पर कार्यशाला (डॉ. वसी आलम)।
15. ''कृषि में प्रतिदर्श सर्वेक्षण तकनीकों का प्रयोग'' पर दिनांक 25.27 जुलाई, 2017 के दौरान आयापेजित हिंदी कार्यशाला में सहभागिता (राजीव रंजन कुमार)।
16. भाकृअनुप.भाकृसांअसं में दिनांक 11.20 सितंबरख् 2017 के दौरान भाकृअनुप की मानव संसाधन प्रबंधन एकक के तहत आयोजि ''परीक्षण अभिकल्पनाएं और सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (अनिंदित्ता दत्ता एवं सुनील कुमार यादव)।
17. भाकृअनुप.डीकेएम द्वारा आयोजित भारत में कृषि ज्ञान प्रबंधन के लिए एक रोडमैप के विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, बी एन मंडल एवं डॉ. सुकांत दाश)।
18. भाकृअनुप.आईआईएसएस, भोपाल में दिनांक 18 सितंबर, 2017 को आयोजित एफएफपी के कार्यान्वयन के लिए कार्यपद्धति संबंधी फ्रेमवर्क पर प्रशिक्षण एवं कार्यशाला (डॉ. सौमन पाल)।
19. एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 27.28 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित ''भारत में कृषि ज्ञान प्रबंधन के लिए एक रोडमैप के विकास'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (डॉ. अलका अरोड़ा, डॉ. अंशु भारद्वाज, सुश्री शशी दहिया एवं श्री पाल सिंह)।
20. डीजीएस एवं डी, जीवन तारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली में दिनांक 28 सितंबर, 2017 को सरकारी ई.बाजार स्थान पर प्रशिक्षण (डॉ. अंशु भारद्वाज)।

21. गणित और सांख्यिकी प्रभाग, बनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा दिनांक 03 सितंबर, 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर का प्रयोग करते हुए सांख्यिकीय तकनीकों पर कार्यशाला (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
22. एनएसएसओ, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 10.13 सितंबर, 2017 के दौरान भारत के गोवा में एनएसएसओ 70वें एवं 71वें दौर के दौरान शामिल किए गए विषयों से संबंधित सर्वेक्षण परिणामों पर राष्ट्रीय सेमिनार।
23. विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिनांक 19.20 सितंबर, 2017 के दौरान रबि अभियान के लिए कृषि पर राष्ट्रीय सम्मेलन (डॉ. प्राची मिश्रा साहू)।
24. एनएएएस परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 27.28 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित ''भारत में कृषि ज्ञान प्रबंधन के लिए एक रोडमैप के विकास'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
25. भाकृअनुप.डीकेएमए द्वारा एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 27.28 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित ''भारत में कृषि ज्ञान प्रबंधन के लिए एक रोडमैप के विकास'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (नीरज बुढ़लाकोटी, मो. सामिर फारूकी, डॉ. के के चतुर्वेदी, डॉ. अनु शर्मा एवं डॉ. डी. सी. मिश्रा)।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालओं आदि में सहभागिता

- ब्रसेल्स, बेल्जियम में दिनांक 04 से 07 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित यूज!2017 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में किफायती परीक्षण अभिकल्पनाओं के निर्माण के लिए पेपर मिनिमल आरएसडी एवं एफएमसी : आर पैकेज का प्रस्तुतीकरण (श्वेतांक लाल, सीमा जग्गी, एलदो वर्गीस, अर्पण भौमिक एवं सिनी वर्गीस)।
- अनुमोदित परामर्शी सेवा के तहत और एक संसाधन व्यक्ति के रूप में संभवतः दिनांक 17 और 18 जुलाई, 2017 को आदीस अबाबा, इथियोपिया में ''इथियोपिया में डाटा विश्लेषण और आहार संसाधनों के लिए डाटाबेस एवं पैकेज का विकास'' परियोजना के संकल्प और सोच से इथियोपिया के शीर्ष स्टाफ को अवगत कराने हेतु कार्यशाला में ''भारत में पशु आहार संसाधन का अनुभव और आकलन का कार्यान्वयन'' पर व्याख्यान दिया (डॉ. यू बी अंगदी)।
- डेनियल, एम, पाटिल, ए, प्रमानिक, एस, बसाक, पी, हिरा, एस एवं बालासुब्रामनियन, पी (2017). कोयमब्रा, पुर्तगाल में दिनांक 26.29 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित शहरी स्वास्थ्य ''स्वास्थ्य समानता : नया शहरी एजेंडा और स्थायी विकास लक्ष्य'' पर 14वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'शानदार शहरी अभिशासन : एक पश्चिम भारतीय मेगासिटी से निष्कर्ष' के लिए एक अगुवा के रूप में मलेरिया प्रबंधन।

बैठकों में सहभागिता

1. कैबिन, भाकृसांअसं, नई दिल्ली में दिनांक 11 जुलाई, 2017 को ''भाकृअनुप.भाकृसांअसं की नई वेबसाइट (जीआईजीडब्ल्यू अनुपालन) के लिए कन्टेंट्स'' पर बैठक में सहभागिता (संतोष राठोड़)।
2. कैबिन, भाकृसांअसं, नई दिल्ली में दिनांक 28 जुलाई, 2017 को ''वेबसाइट के लिए कन्टेंट्स संचयन और जीआईजीडब्ल्यू के अनुसार नई वेबसाइट का प्रस्तुतीकरण'' पर बैठक में सहभागिता (संतोष राठोड़)।
3. आईआईएफएसआर, मोदीपुरम में दिनांक 27.07.2017 को एफएसआरडीए की कार्यकारिणी परिषद की बैठक में सहभागिता।
4. वेबसाइट (टों) के लिए जीआईजीडब्ल्यू मानक एवं अनुपालन से संबंधित मुद्दे पर चर्चा करने हेतु दिनांक 25 जुलाई, 2017 को कैबिन के प्रमुख के साथ बैठक में सहभागिता (डॉ. एम ए इकबाल)।
5. वेबसाइट (टों) के लिए जीआईजीडब्ल्यू मानक एवं अनुपालन से संबंधित मुद्दे पर चर्चा करने हेतु दिनांक 11 और 28 जुलाई, 2017 को कैबिन के प्रमुख के साथ बैठक में सहभागिता (डॉ. एम ए इकबाल)।
6. ''हाउसकीपिंग सेवाओं'' के लिए निविदा दस्तावेज पर चर्चा करने हेतु दिनांक 18 और 19 जुलाई, 2017 को बैठक में सहभागिता और अध्यक्षता की (डॉ. के के चतुर्वेदी)।
7. प्रफेसर (सीए) तथा सीए ज्ञानानुशासन के अन्य संकाय सदस्यों के साथ चर्चा करने हेतु दिनांक 25 जुलाई, 2017 को बैठक में सहभागिता की (डॉ. के के चतुर्वेदी)।
8. वेबसाइट (टों) के लिए जीआईजीडब्ल्यू मानक एवं अनुपालन से संबंधित मुद्दे पर चर्चा करने हेतु दिनांक 25 जुलाई, 2017 को कैबिन के प्रमुख के साथ बैठक में सहभागिता (डॉ. के के चतुर्वेदी)।
9. डीईएस, गुआहटी मं दिनांक 07 जुलाई, 2017 को आयोजित ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' नामक परियोजना से संबंधित असम सरकार के डीईएस के निदेशक की अध्यक्षता में बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकरी अहमद एवं प्राची मिश्रा साहू)।
10. दिनांक 17.18 मार्च, 2017 के दौरान परियोजना ''प्रोफेसर वैद्यनाथन समिति रिपोर्ट द्वारा संस्तुत प्रतिदर्श आकार के आधार पर राज्य स्तरीय आकलन विकसित करने हेतु प्रायोगिक अध्ययन'' के तहत दिनांक 11 जुलाई 2017 को भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में आयोजित परियोजना की पीएमसी बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकरी अहमद, डॉ. हुकुम चन्द्र, डॉ. कौस्तव आदित्य एवं डॉ. अंकुर बिस्वास)
11. डीईएस, पटना में दिनांक 25 जुलाई, 2017 को आयोजित ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' नामक परियोजना से संबंधित बिहार सरकार के डीईएस के निदेशक की अध्यक्षता में बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद एवं प्राची मिश्रा साहू)।
12. पशुपालन, डेयरी और मात्स्यकी विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 27 जुलाई, 2017 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आईटीओ, नई दिल्ली में आयोजित वर्ष 2016 के लिए पशुपालन सांख्यिकी और डेयरी सांख्यिकी में सुधार लाने हेतु तकनीकी निर्देशन समिति (टीसीडी) में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद)।
13. नया सचिवालय, नबाना, कोलकात्ता में दिनांक 27 जुलाई, 2017 को आयोजित ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच. पड़ताल'' नामक परियोजना से संबंधित पश्चिम बंगाल सरकार के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद एवं प्राची मिश्रा साहू)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

14. भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में दिनांक 29 जुलाई, 2017 को आईटीएमयू के सदस्य के रूप में आईटीएमयू की बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद)।
15. पशुपालन, डेयरी और मात्स्यकी विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 25.26 जुलाई, 2017 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आईटीओ, नई दिल्ली में आयोजित वर्ष 2016 के लिए पशुपालन सांख्यिकी और डेयरी सांख्यिकी में सुधार लाने हेतु तकनीकी निर्देशन समिति (टीसीडी) में सहभागिता (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
16. थाइलैंड की महारानी की कृषि विज्ञान संग्रहालय, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में यात्रा के आयोजन हेतु भाकृअनुप.भाकृसांअसं के निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 12 और 14 जुलाई, 2017 के दौरान भाकृअनुप.भाकृसाअसं, नई दिल्ली में बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद)।
17. परियोजना ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में पटसन फसल के लिए क्रॉप कटिंग तकनीक के कार्यान्वयन के पर्यवेक्षण से संबंधित गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु दिनांक 08 अगस्त, 2017 को बराकपुर, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल (प. बं.) में एक बैठक में सहभागिता की। श्री समारेश कुमार हलदर, कृषि (मूल्यांकन) अपर निदेशक, कृषि निदेशालय, पश्चिम बंगाल ने बैठक की सहभागिता की (डॉ. तौकीर अहमद ने अध्यक्षता की)।
18. परियोजना ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' के अंतर्गत असम सरकार के लिए परियोजना ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में पटसन फसल के लिए क्रॉप कटिंग तकनीक के कार्यान्वयन के पर्यवेक्षण से संबंधित गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु दिनांक 22 अगस्त, 2017 को डीईएस, गुआहटी, असम में एक बैठक में सहभागिता की। श्री रंजन दत्ता, संयुक्त निदेशक, डीईएस, असम सरकार ने बैठक की सह.अध्यक्षता की (डॉ. तौकीर अहमद)।
19. परियोजना ''अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में फलों और सब्जियों में फसलोत्तर हानियों का आकलन और हानियों को कम करने हेतु कार्यनीतियां'' के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु डॉ. साची स्वेन, वरिष्ठ वैज्ञानिक और भाकृअनुप.सीआईएआरआई, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह से परियोजना के पीआई के साथ दिनांक 18 अगस्त, 2017 को भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में एक बैठक में सहभागिता की (डॉ. तौकीर अहमद ने अध्यक्षता की)।
20. परियोजना ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' के अंतर्गत भाकृअनुप.भाकृसांअस के अधिकारियों द्वारा पश्चिम बंगाल में किए गए सर्वेक्षण के बारे में तथा अन्य गतिविधियों पर चचा करने हेतु पटसन फसल के लिए क्रॉप कटिंग तकनीक के कार्यान्वयन के पर्यवेक्षण से संबंधित गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु श्री समारेश कुमार हलदर, कृषि (मूल्यांकन) अपर निदेशक, कृषि निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार; तकनीकी अधिकारी, कृषि जनगणना प्रभाग, पश्चिम बंगाल सरकार और भाकृअनुप.भाकृसांअसं के परियोजना टीम के सदसें के साथ एक बैठक में सहभागिता की (डॉ. तौकीर अहमद)।
21. चमन परियोजना के तहत दोनो संगठनों द्वारा भविष्य में किए जाने वाले अनुसंधान कार्य और कॉमन जिलों में किए जाने वाले कार्य के बारे में चर्चा करने हेतु एमएनसीएफसी, नई दिल्ली के वैज्ञानिक, परामर्शदाता, अन्य अधिकारियों तथा चमन परियोजना के परियोजना टीम सदस्यों के साथ भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में एक बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद)।
22. बीओएस के सदस्य के रूप में दिनांक 17 अगस्त, 2017 को भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में आयोजित बीओएस की बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद)।
23. निदेशक, भाकृअनुप.भाकृसांअसं की अध्यक्षता में भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में दिनांक 29 अगस्त, 2017 को प्रभागाध्यक्षों (एचडी) की बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद)।
24. भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में दिनांक 18 अगस्त, 2017 को आयोजित सांख्यिकी, संगणक और अनुप्रयोग सोसाइटी के स्थानीय पदाधिकारियों (एलओबी) की पांचवीं बैठक में सहभागिता (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
25. परियोजना ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में पटसन फसल के लिए क्रॉप कटिंग तकनीक के कार्यान्वयन के पर्यवेक्षण हेतु की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए दिनांक 08 अगस्त, 2017 को बराकपुर, उत्तर 24 परागना, पश्चिम बंगाल में एक बैठक में सहभागिता की (डॉ. प्राची मिश्रा एवं डॉ. अंकुर बिस्वास)।
26. ''पटसन उत्पादन के आधिकारिक एवं व्यापार आकलनों के बीच विचलन के कारणों की जांच.पड़ताल'' परियोजना के अंतर्गत असम राज्य में क्रॉप कटिंग तकनीक के कार्यान्वयन के पर्यवेक्षण हेतु की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए डीईएस, गुआहटी, असम में दिनांक 22 अगस्त, 2017 को आयोजित बैठक में सहभागिता (डॉ. प्राची मिश्रा साहू)।
27. समूह सदस्यों के साथ ''मेरा गांव मैरा गौरव'' कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 31 अगस्त, 2017 को भाकृअनुप.भाकृसांअसं में एक बैठक में सहभागिता (डॉ. अंकुर बिस्वास)।
28. अंतिम रिपोर्ट बनाने हेतु एपीईडीए वित्तपोषित्त परियोजना ''भारत में पशुधन, दूध, सूखा, ऊर्जा एवं पर्यावरण संतुलन पर भैंसों के काटे जाने तथा मॉस निर्यात नीमि का प्रभाव'' के एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में दिनांक 09 अगस्त, 2017 को भाकृअनुप.एनआरसी मॉस, हैदराबाद में बैठक में सहभागिता (डॉ. ए के चौबे)।
29. चिन्हित परियोजनाओं की कार्यपद्धति चर चर्चा करने हेतु कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय, के अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में दिनांक 05 और 21 अगस्त, 2017 को भारतीय आर्थिक विकास संस्थान, विश्वविद्यालय एन्कलेव, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में सहभागिता (डॉ. ए. के. चौबे)।
30. पीएमएफबीवाई के तहत खरीफ 2016 सत्र के लिए गुजरात के दावों के निपटान पर चर्चा करने हेतु दिनांक 18 अगस्त, 2017 को कृषि सहकारिता और किसान कल्याण विभाग में आयोजित पीएमएफबीवाई/आरडब्ल्यूबीसीआईएस के तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में बैठक में सहभागिता (डॉ. ए के चौबे)।
31. संकायाध्यक्ष, भाकृअसं की अध्यक्षता में भाकृअसं के पुस्तकालय के सेंट्रल हॉल में दिनांक 19 अगस्त, 2017 को आयोजित प्रफेसरों की बैठक में सहभागिता (डॉ. सुदीप मारवाह)।
32. एनएएचईपी में प्रस्तुत किए जाने वाले सीएएएसटी प्रस्ताव के बारे में चर्चा करने हेतु संकायाध्यक्ष, भाकृअसं की अध्यक्षता में भाकृअसं पुस्तकालय के सेंट्रल हाल में दिनांक 28 अगस्त, 2017 को बैठक में सहभागिता (डॉ. सुदीप मारवाह एवं सुश्री शशी दहिया)।
33. युवा वृत्तिकों के अनुरूप आईटी वृत्तिकों की भर्ती के लिए दिशानिर्देशों पर चर्चा करने हेतु दिनांक 4 अगस्त, 2017 को निदेशक, भाकृसांअसं की अध्यक्ष्यता में आयोजित बैठक में सहभागिता (डॉ. सुदीप मारवाह)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

34. परियोजना ''चावल और गेहूँ में नमी के अभाव के कारण दबाव सहिष्णुता और नाइट्रोजन उपयोग दक्षता के फिनोमिक्स . चरण ब'' के सह.पीआई के रूप में दिनांक 08 अगस्त, 2017 को उच्चाधिकार प्राप्त समिति परियोजना समीक्षा बैठक, एनएएसएफ में सहभागिता (डॉ. अनिल राय)।
35. परामर्शी सेवा ''इथियोपिया में डाटा विश्लेषण और आहार संसाधनों के लिए डाटाबेस और पैकेज का विकास'' के तहत दिनांक 29.08.2017 को आईएलआरआई, आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद, तेलंगाना में बैठक (डॉ. यू बी अंगदी)।
36. ''हाउसकीपिंग सेवाओं'' के लिए निविदा दस्तावेज पर चर्चा करने हेतु दिनांक 8, 17 एवं 18 अगस्त, 2017 को मक्का कदनो 26 अगस्त, 2017 को प्रवेश दिए गए नए छात्रों के ओरियेंटेशन कार्यक्रम में बैठक में सहभागिता और अध्यक्षता की (डॉ. के के चतुर्वेदी)।
37. परियोजना ''चावल और गेहूँ में नमी के अभाव के कारण दबाव सहिष्णुता और नाइट्रोजन उपयोग दक्षता के फिनोमिक्स . चरण ब'' के सह.पीआई के रूप में दिनांक 08 अगस्त, 2017 को उच्चाधिकार प्राप्त समिति परियोजना समीक्षा बैठक, एनएएसएफ में सहभागिता (डॉ. संजीव कुमार)।
38. एफएओ द्वारा होटल ताज मानसिंह, मानसिंह रोड, नई दिल्ली में दिनांक 11.12 सितंबर, 2017 को आयोजित कृषि बाजारों, मूल्य डाटा कल्पना और अगेती चेतावनी प्रणाली पर विशेषज्ञों की राष्ट्रीय बैठक (डॉ. आर के पॉल)।
39. दिनांक 23 सितंबर, 2017 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक (डॉ. प्रवीन आर्या)।
40. निर्माण भवन, नई दिल्ली में दिनांक 07 सिंतबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण विभाग की बैठक (डॉ. तौकीर अहमद)।
41. दिनांक 14 सितंबर, 2017 को भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में आईएसएएस की बैठक (डॉ. तौकीर अहमद)।
42. शीर्ष समिति के सदस्य के रूप में ''सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए प्रतिदर्श सर्वेक्षण और सर्वेक्षण डाटा विश्लेषण में आधुनिक उन्नयन'' पर दिनांक 16 सितंबर, 2017 को सीएएफटी की बैठक (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
43. भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में दिनांक 19 सितंबर, 2017 को आयोजित आईसीएएस टप्प् (अंतरराष्ट्रीय कृषि सांख्यिकी सम्मेलन टप्प्) के भारत में संगठनात्मक पहलुओं पर चर्चा करने हेतु एक दिवसीय बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद एवं डॉ. हुकुम चन्द्र)।
44. एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 21 सितंबर, 2017 को अंतरराष्ट्रीय कृषि सांख्यिकी सम्मेलन 2019 के आयोजन पर चर्चा (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
45. एफएओ मुख्यालय, रोम, इटली में दिनांक 28.29 अगस्त, 2017 को आयोजित ''एसडीजी 12.3 . खाद्य हानियों और खाद्य बर्बादी को कम करने के लक्ष्य की पूर्ति हेतु आकलन और कार्रवाई'' पर एक विशेषढ के रूप में संयुक्त राष्ट्र (एफएओ) के खाद्य और कृषि संगठन द्वारा आयोजित विशेषज्ञ परामर्शी बैठक में सहभागिता (डॉ. तौकीर अहमद)।
46. भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में दिनांक 22 सितंबर, 2017 को आयोजित सीपीसी बैठक में सहभागिता और एक नई परियोजना प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण जिसका वित्तपोषण एफएओ, रोम, इटली द्वारा किया जाना है (डॉ. तौकीर अहमद)।
47. दिनांक 23 सितंबर, 2017 को भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी समिति की बैठक (डॉ. तौकीर अहमद)।
48. भाकृसांअसं में दिनांक 14.09.2017 को आयोजित भारतीय कृषि सांख्यिकी सोसाइटी की कार्यकारिणी परिषद की बैठक (मो. समिर फारूकी)
49. दिनांक 23 सितंबर, 2017 को जीनोमिक पोर्टल विकास के बारे में सीआईआरसी, मेरठ के वैज्ञानिकों के साथ बैठक (डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. यू बी अंगदी, डॉ. सारिका एवं डॉ. एम ए इकबाल)।

परामर्शी/सलाहकारी सेवाएं

- ओयूएटी, भुवनेश्व, ओडिशा की एक जैवसूचना विज्ञान छात्रा को उसके एम. एससी. शोध.प्रबंध कार्य से संबंधित एक प्रोजेक्ट को पूर्ण करने हेतु चार माह की अवधि तक सलाह दी गई (पी के मेहेर)।
- क्यूटीएल मैपिंग के विश्लेषण में श्री हरिकृष्ण यादव, वैज्ञानिक, आनुवंशिकी प्रभाग, भाकृअसं, नई दिल्ली को और श्री रघुनंदन के., वैज्ञानिक, भाकृअसं, नई दिल्ली को अल्फा लैटिस पर परामर्श दिया गया (हिमाद्री शेखर रॉय)।
- जलवायु चरों में काल श्रृंखला उपनति आकलन और चरण.वार समाश्रयण विश्लेषण के बारे में डॉ. टेनमॉय कड़क, प्रमुख वैज्ञानिक, चाय अनुसंधान संघ को परामर्श दिया गया (डॉ. आर के पॉल)।
- पुजा कुमारी, एम. एससी. छात्रा, बीएयू, साबौर, भागलपुर को डाटा के विपर्यस विश्लेषण के साथ बहुउपादानी सीआरडी के सांख्यिकीय विश्लेषण पर परामर्श दिया गया (प्रकाश कुमार)।
- डॉ. मधुसुदन भट्टाराय, स्वतंत्र परामर्शदाता, नई दिल्ली को ट्रेक्टर के लिए ब्रेक इवन प्वाइंट (बीईपी) विश्लेषण पर दिनांक 18 जुलाई, 2017 को सलाह दी गई (रविन्द्र सिंह शोखावत)।
- श्री सिद्दाप्पा नांदर, सहायक प्रफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ के मार्गदर्शन में ''हाई स्कूल छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी फिटनेस पर ऐरोबिक नृत्य प्रशिक्षण के छः सप्ताह के प्रभाव'' शीर्षक अध्ययन के डाटा के आर सॉफ्टवेयर में विश्लेषण के लिए दिनांक 19.07.2017 को सलहा दी गई (संतोष राठोड़)।
- सुश्री नेही, शाक विज्ञान, भाकृअसं, नई दिल्ली की एक छात्रा, के परीक्षण से प्राप्त डाटा के आधार पर आनुवंशिक घटक विश्लेषण किया गया। वंशागतित्व के साथ लक्षणप्ररूपी सहसंबंध एवं प्रसरण, जीनप्ररूपी सहसंबंध एवं प्रसरण, पर्यावरणीय सहसंबंध एवं प्रसरण प्राप्त किया गया (अर्पण भौमिक)।
- डॉ. दिबाकर महंत, वीपीकेएएस, अल्मोड़ा को सोयाबीन और गेहूँ से संबंधित डाटा की विमीयता को कम करने में प्रमुख घटक विश्लेषण के प्रयोग पर सलाह दी गई और विश्लेषण के लिए एसएएस कोड भी दिया गया (एल्दो वर्गीस)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

- भाकृअसं के सस्य विज्ञान प्रभाग के पीएच. डी छात्र, डी. यादव को डाटा विश्लेषण के बारे में सलाह दी गई (मोह. हारून)। परीक्षण के लिए प्रयोग की गई अभिकल्पना स्प्लिट प्लॉट अभिकल्पना थी। परीक्षण में 3 पुनरावर्तनों के साथ 5 मुख्य प्लॉट एवं 4 सब.प्लॉट कारक शामिल थे। डाटा का विश्लेषण एमएस ऐक्सल सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर किया गया (मो. हारून)।
- डॉ. सुजाय रक्षित, भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना को अल्फा अभिकल्पनाओं (i) v=250, r=3, k=25, v=250, r=3, k=10; (ii) v=285, r=2, k=15; (iii) v=165, r=2, k=11 vkSj (iv) v=750, r=2, k=25 के प्रयोग पर सलाह दी गई (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)।
- डॉ. सुब्रता दत्ता, संयुक्त प्रोफेसर, पादप विकृति विज्ञान विभाग (सब्जी फसल पर एआईसीआरपी), बीसीकेवी, कल्याणी को कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क कार्यपद्धति का प्रयोग करते हुए राइजोक्टोनिया सोलेनी पर रोपण की विभिन्न तिथियों के प्रभाव पर सलाह दी गई (डॉ. मीर आसिफ इकबाल)।
- भाकृअनुप.भाकृसांअसं, नई दिल्ली के कीटविज्ञान प्रभाग के पीएच. डी. शोधार्थी, मोहम्मद मुस्तफा इब्राहिम को वारोआ माइट्स के विरूद्ध मधुमक्खी के हाइजेनिक संव्यवहार पर डाटा के विश्लेषण के बारे में सलाह दी गई। डाटा का संग्रहण छः माह की अवधि तक मासिक रूप से विभिन्न घटकों, जैसे कि क्षतिग्रस्त माइट्स, क्षतिग्रस्त नर माइट्स की संख्या, कुल माइट्स संख्या आदि के आधार पर किया गया। अनुसंधानकर्ताओं की रूचि के अनुसार, सहसंबंध और समाश्रयण विश्लेषण किया गया जिसके लिए एसपीएसएस एवं एसएएस का प्रयोग किया गया (मो. हारून)।
- श्री खरातमोल रूद्राप्पा बालाजी, पीएच. डी. शोद्यार्थी (एफआरएम), भाकृअनुप.सीआईएफई, मुंबई को जिम्मेदारी के साथ मत्स्यन के लिए एफएओ आचरण संहिता पर प्रश्नोत्तरी भेजने के लिए विभिन्न हितधारकों के प्रतिदर्श आकारों के निर्धारण हेतु सलाह दी गई (डॉ. रामासुब्रमनियन वी.)।
- डॉ. साडिया, भाषाविज्ञान विभाग, एएमयू, अलीगढ़ के मार्गदर्शन में अध्ययन कर रहे एक पीएच. डी. शोधार्थी (सालेह मोह. हेदयातुल्लाह) को ऑर्डिनल डाटा के लिए अप्रचालीकृत टेस्ट पर सलाह दी गई (डॉ. वसी आलम)।
- श्री महेश बाडिगर, पीएच. डी. शोधार्थी (शाक विज्ञान), भाकृअनुप.भाकृअसं, नई दिल्ली को अपने पीएच. डी शोध.पत्र शीर्षक "बीवाईवीएमवी से प्रतिरोध के लिए ए. ऐसकुलेन्टस तथा उसकी वन्य प्रजातियों के बीच आनुवंशिक विविधता एवं संकरणीयता" के लिए एसएएस में आरबीडी डाटा विश्लेषण करने हेतु सलाह दी गई (संतोष राठोड़)।
- अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के परियोजना प्रस्ताव पर परामर्शी सेवा दी गई (डॉ. यू बी अंगदी)।
- श्री प्रफुल्ल जयसवाल, एसआरएफ, एनआरसीपीबी, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध कराए गए गेहूँ डाटा का गुइडेनसीन विश्लेषण किया गया (प्रकाश कुमार)।
- डॉ. सबिता कुमार सेनापती, प्रोफेसर, कीटविज्ञान प्रभाग, यूबीकेवी, पुडीबारी को नाशीजीव प्रबंधन के लिए डाटा का विश्लेषण करने में तथा श्री ओम प्रकाश, वैज्ञानिक, भाकृअनुप. सीएजेडआरआई, जोधपुर को विश्लेषण एवं निर्वचन में मार्गदर्शन दिया गया (हिमाद्री शेखर रॉय)।
- श्री सुनील कुमार, पीएच. डी. शोधार्थी, कृषि विस्तार प्रभाग को चावल ज्ञान प्रबंधन पोर्टल (आरकेएमपी) के प्रयोग के आधार पर हितधारकों पर विभिन्न सामाजिक.आर्थिक कारकों के प्रभाव का निर्धारण करने हेतु लॉजिस्टिक समाश्रयण के प्रयोग पर सलाह दी गई (अर्पण भौमिक)।
- यूएएस, बेंगलुरू से आनुवंशिक एवं पादप प्रजनन में एक एम. एससी. छात्र को 121 जीनप्ररूपों के लिए एक सरल लैटिस अभिकल्पना के निर्माण पर सलाह दी गई (बी एन मंडल)।
- पुष्पोत्पादन और भूदृश्य आर्किटेक्चर विभाग, भाकृअनुप.भाकृअसं : आईआईएचआर, बेंगलुरू.89 के वी. भार्गव को अंतर.क्लस्टर दूरी, अंतरा.क्लस्टर दूरी तथा क्लस्टर मान प्राप्त करने हेतु विभिन्न लक्षणों के लिए एसएएस और एसपीएसएस का प्रयोग करते हुए क्लस्टर विश्लेषण में सलाह दी गई (मो. हारून)।

समिति(यों) की सिफारिशें :

अनुसंधान सलाहकार समिति की सिफारिशें

(दिनांक 22 अप्रैल, 2017 को आयोजित 18वीं बैठक)

1. *संस्थान ने अनुसंधान, नवोन्मेषी अनुप्रयोगों और मानव संसाधन विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया है। अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित कर हितधारकों तक पहुँचाने हेतु हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। संस्थान के लिए यह आवश्यक है कि वह मजबूत सहयोगों के लिए विभिन्न विभागों/विश्वविद्यालयों में परिसीमाओं को समाप्त करने हेतु उपायों की खोज करे। संस्थान को कृषि विश्वविद्यालयों में सांख्यिकीय विज्ञान ज्ञानानुशासन को सुदृढ़ करने हेतु पुनरूत्थान कार्यनीति विकसित करनी चाहिए। भाकृअनुप.भाकृसांअसं परिषद् के सभी एसएमडी में एक महत्वपूर्ण भमिका निभा रहा है। संस्थान द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिको को ध्यान में रखते हुए, भाकृअनुप.भाकृसांअसं को एक राष्ट्रीय संस्थान का दर्जा दिया जा सकता है ताकि वह अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावकारी ढंग से निभा सके।*
2. *भाकृअनुप में सांख्यिकीय विज्ञान के सुदृढ़ीकरण के लिए, एक उपयुक्त वैज्ञानिक मजबूती आवश्यक है। अत:, कृषि सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैवसूचना विज्ञान के लिए सीटों पर निर्णय लेते हुए भाकृअनुप द्वारा कृषि सांख्यिकी के मात्र रिक्त सीटों पर विचार करने के बजाय, संगणक अनुप्रयोग के लिए के वर्ष 2011 के संवर्ग में उपलब्ध सीटों को भी रिक्त सीटों के रूप में विचार किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, जैवसूचना विज्ञान के ज्ञानानुशासन के सुदृढ़ीकरण के लिए, जीवविज्ञान के संबद्ध ज्ञानानुशासनों से कुछ सीटों को जैवसूचना विज्ञान में परिवर्तित किया जना चाहिए। विभिन्न ज्ञानानुशासनों में रिक्त सीटों पर निर्णय लेते हुए, सांख्यिकी को उचित महत्ता दी जानी चाहिए क्योंकि सूचना विज्ञान के विकास के लिए सांख्यिकी में अनुसंधान आवश्यक है। इस संबंध में परिषद् के विचारार्थ एक परिपूर्ण नोट तैयार किया जाना चाहिए।*

3. *सांख्यिकी विज्ञानों, अर्थात् कृषि सांख्यिकी, जैवसांख्यिकी, सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैवसूचना विज्ञान में पीजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रतिभावान छात्रों को आकर्षित करने हेतु एनएआरईएस में सांख्यिकी/ गणित/ जैवसूचना विज्ञान/ संगणक विज्ञान या उसके समतुल्य विषय के साथ बी. एससी. की शिक्षा प्राप्त कर रहे प्रतिभावान छात्रों या सांख्यिकी विज्ञान/ गणित किसी भी एक विषय के साथ स्नातक की डिग्री वाले छात्रों को शैक्षिक अर्हताओं में शामिल किया जाना चाहिए। सांख्यिकी/गणित में बी. एससी. की डिग्री वाले छात्रों को पीजी में सांख्यिकी विज्ञान के लिए प्रत्येक त्रैमासिक सत्र/छमाही सत्र में एक घंटे के अतिरिक्त समय देने के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने हेतु प्रावधान किए जाने चाहिए ताकि वे वे एक अतिरिक्त वर्ष पढ़ाई करने के बिना अपनी डिग्री अपेक्षाओं को पूरा करने के साथ.साथ कृषि विज्ञानों में ज्ञान अर्जित कर सकें। जैवसांख्यिकी में एम. एससी./ एम.वी. एसी. के लिए प्रवेश पशु विज्ञान के बजाय, जैसा कि अभी किया जा रहा है, सांख्यिकी विज्ञानों के माध्यम से दिया जाना चाहिए। इस संबंध में परिषद् के विचारार्थ एक परिपूर्ण नोट तैयार किया जाना चाहिए।*

4. *संस्थान मौलिक साख्यिकी में, विशेष रूप से परीक्षण अभिकल्पना और प्रतिदर्श प्रतिचयन की थ्योरी के क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान और नवोन्मेषी अनुप्रयुक्त अनुसंधान में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कर रहा है। वास्तव में, भाकृसांअसं की स्थापना परीक्षण अभिकल्पनों में अनुसंधान और उसके उपरांत सर्वेक्षण प्रतिचयन की पृष्ठभूमि के आधार पर की गई थी। परीक्षण अभिकल्पनाएं कृषि प्रणाली अनुसंधान में अनुसंधान का स्तंभ हैं। इसी प्रकार से, सर्वेक्षण प्रतिचयन की कृषि अनुसंधान में तथा राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। अभिकल्पित परीक्षणों पर वेब संसाधनों, भारतीय एनएआरएस सांख्यिकीय संगणन पोर्टल, सलाहकार सेवाओं, प्रतिदर्श सर्वेक्षण संसाधन सर्वर के जरिए एनएआईएस में और राज्य कृषि, पशुपालन, मात्स्यकी, बागवानी आदि विभागों में विभिनन दक्ष परीक्षण अभिकल्पनाओं एवं उन्नत विश्लेषण तकनीकों, प्रतिदर्श सर्वेक्षण अभिकल्पनाओं तथा कार्यनीतियों का उपयोग किया गया है। इन प्रयासों को प्रबल इच्छाशक्ति, उत्साह और जोश के साथ और अधिक गति प्रदान किए जाने की आवश्यकता है ताकि कृषि विज्ञानामें में अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान की चुनौतियों से निपटा जा सके। डाटा के वॉल्यूम, प्राचलों की संख्या और प्रेक्षणों की संख्या, आदि को ध्यान में रखते हुए, दक्ष/किफायती परीक्षण/सर्वेक्षण अभिकल्पनाओं और विश्लेषण तकनीकों के विकास पर अनुसंधान करने की आवश्यकता है ताकि कृषि अनुसंधान को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और ग्राह्य बनाया जा सके। सांख्यिकी में मौलिक अनुसंधान के अंतर्गत कृषि सांख्यिकी में अनुप्रयोज्यता की परिसीमा समस्याओं को शामिल करने हेतु अति महत्ता देना एक वास्तविकता है, और इन अनुप्रयोज्यता समस्याओं के द्वारा पारिभाषित परिसीमित क्षेत्र में अधिकतम समाधान किए जाने चाहिए। कृषि एक बहुज ही जटिल प्रणाली है जिसमें विभिन्न सहक्रियावादी एवं सहयोगात्मक अन्योन्यक्रियों और व्यापक आंतरिक विविधता का समागम होता है, इसलिए सांख्यिकी में अनुसंधान के माध्यम से इनका समाधान किया जाना आवश्यक है।*

5. *भाकृअनुप.भाकृसांअसं के पास पूर्वानुमान के लिए सांख्यिकीय मॉडल्स विकसित करने, कृषि प्रणालियों को प्रदर्शित करने तथा काल.श्रृंखला मॉडल्स, ट्रि.चर एवं हाइब्रिड काल श्रृंखला मॉडल्स, मशीन लर्निंग तकनीक, आदि को विकसित करने की विशेषज्ञता है। फसल पूर्वानुमान और कृषि प्रणालियों में रैखिक वं अरैखिक मॉडल्स, स्टेट स्पेस मॉडल्स, एरिमा, आर्च एवं गार्च मॉडल्स, स्थानिक.कालिक काल श्रृंखला डाटा के पूर्वानुमान के लिए दिक्काल स्वसमाश्रयण गतिमान औसत (स्टार्मा) मॉडल्स, आदि का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। स्वीकार्य पूर्वानुमान मॉडल्स विकसित करने के लिए, जो व्यापक डाटासेट्स के लिए लागू हों, और अधिक सतत प्रयास किए जाने चाहिए। नाशीजीवों और रोगों के आपतन, बाढ़ एवं सूखा जैसे मौसम अनियमिताओं के कारण फसलों की हानियों के त्वरित आकलन, खराब होने वाली सामग्रियों के मूल्यों में उतार.चढ़ाव, आदि के पूर्वानुमान विकसित किए जाने की आवश्यकता है।*

6. *कृषि जैवसूचना विज्ञान केंद्र को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, जैसे कि जीनोम एडीटिंग (क्रिस्पर), जीनोम डाटा वेयर हाउस में परियाजनाएं आरंभ करनी चाहिए तथा जीवविज्ञान डाटा के लिए ऐल्गोरिथ्म विकसित करने चाहिए। उच्च संगणन सुविधाओं, यानी अशोका को सपोर्ट करने हेतु डाटा प्रस्तुतीकरण के स्वचलन तथा जैव.संगणन पोर्टल में इसके सुदृढ़ीकरण के लिए एक कार्यपद्धति विकसित करने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए। एक संक्षिप्त नोट तैयार किया जाना चाहिए जिसमें अशोका की भूमिका सहित परिषद् में जैवसूचना विज्ञान में चालू अनुसंधान की महत्ता को दर्शाया जाना चाहिए।*

7. *संस्थान को राष्ट्रीय महत्ता और भारत सरकार की प्राथमिकताओं के उभरते क्षेत्र, जैसे कि ''फसल.बीमा'', ''मृदा/जल स्वास्थ्य की निगरानी एवं आकलन'', ''डाटा एकीकरण'' आदि में अध्ययन करने हेतु प्रयास सकरने चाहिए। भूखमरी, किसान कल्याण, खाद्य सुरक्षा, मृदा पुनरुद्धार, महिला सशक्तिकरण आदि के लिए सूचकांक विकसित करने के लिए भी प्रयास किए जाने चाहिए। सांख्यकी और नवोन्मेषी अनुप्रयोगों में मौलिक अनुसंधान अधिक इच्छाशक्ति एवं उत्साह के साथ किया जाना चाहिए। इस संबंध में एक अच्छा वातावरण बनाया जाना चाहिए।*

8. *बहुमुखी टीम वर्क पर और अधिक जोर दिया जाना चाहिए। अत:, संस्थान को बहुमुखी अनुसंधान परियोजनाएं विकसित करने हेतु और अधिक प्रयास करने चाहिए। भाकृसांअसं और एनआईएपी को अपने सहयोग का संस्थानीकरण और सुदृढ़ीकरण करना चाहिए। सभी एआईसीआरपी/नेटवर्क परियोजनाओं में संस्थान की सहभागिता के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। भाकृसांअसं के प्रत्येक विभाग के लिए आगामी तीन वर्षों के लिए अनुसंधान की एक प्राथमिकता क्षेत्रों की एक सूची तैयार की जानी चाहिए। संसाधन की समस्या के कारण बाह्य स्रोत से निधियां प्राप्त करने हेतु और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए ताकि मात्र मूल वित्तपोषण पर निर्भर रहने के बजाय, सुविधाओ का रखरखाव और उन्नयन किया जा सके।*

9. *एआरएस/कृषि विश्वविद्यालयों/अन्य संस्थाओं में भाकृसांअसं के छात्रों की रोजगार प्राप्त करने की संभावना के लिए एक बैकग्राउंड डॉक्यूमेंट तैयार किया जाना चाहिए। कृषि विश्वविद्यालयों को सहायता देने के लिए भाकृसांअसं में विर्चुअल क्लासरूम आरंभ करने के लिए परिषद् से संस्वीकृति प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।*

10. *परिषद् कोसंगणनात्मक/सूचनाप्रद सेवाएं, जैसे कि ईआरपी, एकीकृत संचार, ज्ञत्पैभ्ए भारतीय एनएआरएस सांख्यिकीय संगणन पोर्टल, वेब संसाधन, संगणनात्मक संसाधन आदि जैसे विभिन्न पोर्टल्स उपलब्ध कराने में भाकृसांअसं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, उपयुक्त वित्तपोषण और अपेक्षित मानवशक्ति के लिए प्रावधान किए जाने चाहिए ताकि उपरोक्त सेवाओं को सपोर्ट किया जा सके।*

11. *असामान्य प्रेक्षणों की मौजूदगी या किसी भी प्रकार की सांख्यिकीय अवधारणा का उल्लंघन किए जाने से कोई भी डाटा विश्लेषण में गलत निष्कर्ष निकल सकते हैं। अत:, जेनरिक डाटा में आउटलायर्स की खोज करने तथा आउटलायर्स की मौजूदगी में आनुवंशिक प्राचलों का उत्कृष्टता के साथ आकलन करने के लिए, उपयुक्त सांख्यिकीय*

कार्यपद्धतियां विकसित की जानी चाहिए। जीनोम.वार एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमोर्फिज्म (एसएनपी) मार्कर्स का प्रयोग करते हुए किसी व्यक्ति.विशेष के एकल लक्षणप्ररूप या उससे अधिक की आनुवंशिक संभावना का पूर्वानुमान करने के लिए सांख्यिकी कार्यपद्धतियां विकसित करने के लिए भी प्रयास किए जाने चाहिए।

कार्मिक

पदोन्नति

निम्नलिखित वैज्ञानिकों को उनके नाम के आगे दर्शाई गई तारीख से अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नत किया गया।

नाम	पदोन्नत ग्रेड	तारीख
डॉ. सौमेन पाल, वैज्ञानिक	रु. 15600.39100	20.04.2015
डॉ. मोनेन्द्र ग्रोवर, वैज्ञानिक	रु. 37400.67000	18.01.2016

कार्यभार ग्रहण

डॉ. शशी दहिया, वैज्ञानिक ने पीएच. डी. की पढ़ाई के लिए दिनांक 03.07.2014 से 02.07.2017 तक अध्ययन अवकाश पर रहने के उपरान्त संस्थान के कार्यालय आदेश सं. 19 (1165)/1998-प्रशा.-I दिनांक 12.07.2017 के अनुसार दिनांक 03.07.2017 को वापस संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

अध्ययन अत्यन्त अवकाश

डॉ. समरेन्द्र दास, वैज्ञानिक को संस्थान के दिनांक 01.08.2017 के कार्यालय आदेश संख्या 19 (1249)/2013.प्रशा.-I के अनुसार पीएच. डी. के अध्ययन अवकाश की स्वीकृति दी गई।

सेवानिवृत्ति

श्री देव मूर्ति प्रसाद,यूडीसी को उनके दिनांक 27.05.2017 के आवेदन के माध्यम से दिनांक 01.09.2017 से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की स्वीकृति दी गई।

श्री रामायन राम, स्किल्ड सपोर्टिंग स्टाफ अपनी 60 वर्षों की अधिवार्षिता आयु पूरी करने के पश्चात दिनांक 29.09.2017 को सेवानिवृत्त हुए।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 22 संख्या 02 जुलाई-सितंबर, 2017

संकलन और संपादन

यू सी सूद, अजीत, नरेश चंद एवं अनिल कुमार

प्रकाशक

निदेशक, भाकृअनुप.भाकृसांअसं

लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा, नई दिल्ली – 110 012 (भारत)

ई.मेलः director.iasri@icar.gov.in

pme.iasri@icar.gov.in

वेब साइट : ूप्पेंतपण्तमेण्पद

दूरभाषः 91 11 25841479

फैक्सः 91 11 25841564